अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 349 लखनऊ, मंगलवार, 08 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

उत्तर प्रदेश में दो अक्टूबर से स्कूली बच्चों को छात्रवृत्ति देने का निर्णय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सोमवार को गोमती नगर के समाज कल्याण भवन में स्कूली बच्चों के छात्रवृत्ति को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें दो अक्टूबर से स्कूली बच्चों को छात्रवृत्ति देने का निर्णय हुआ। छात्रवृत्ति पर महत्वपूर्ण बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर, समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरूण, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप तथा अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी और विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि जो छात्रवृत्ति पहले दिसम्बर से बांटी जाती थी। पूर्वदशम छात्रवृत्ति, दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति दो अक्टूबर से दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलना आपराधिक कृत्य : धनखड़

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के घर से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि किसी न्यायाधीश के विरूद्ध संवैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है लेकिन इसे समाधान नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा है कि यह आपराधिक कृत्य है और इस तरह के मामलों में कार्रवाई किया जाना जरूरी है। श्री धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, कोच्चि में छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ संवाद के दौरान कहा, संवैधानिक प्रावधानों के तहत किसी न्यायाधीश के विरुद्ध कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है,लेकिन यह समाधान नहीं है।

हिमाचल में बारिश से राहत, फिर भी अलर्ट जारी, अब तक 80 मौते

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बीते कुछ दिनों से भारी बारिश से राहत मिलती दिखाई दी है। शिमला समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में सोमवार को मौसम साफ रहा और लोगों ने राहत की सांस ली। खासकर शिमला में पिछले दो दिनों से बारिश थमी हुई है और दिन के समय धूप खिली रही। हालांकि मौसम विभाग ने फिर से बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग ने 10 जुलाई तक राज्य के कुछ जिलों में भारी बारिश की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 11 से 13 जुलाई के बीच भी बारिश के आसार हैं, लेकिन इस दौरान कोई विशेष चेतावनी या अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने योगी सरकार को दी राहत

परिषदीय स्कूलों के मर्जर के खिलाफ दायर याचिकाएं खारिज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को परिषदीय स्कूलों के मर्जर (विलय) मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने बड़ी कानूनी राहत दी है। कोर्ट ने सीतापुर जनपद के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वालों बच्चों व एक अन्य याचिका को खारिज करते हुए हुए कहा कि सरकार ने जो फैसला लिया है वह बच्चों के हित में है। यह भी टिप्पणी की कि ऐसे मामलों में नीतिगत फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती, जब तक कि वह असंवैधानिक या दुर्भावनापूर्ण न हो।

दरअसल, बेसिक शिक्षा विभाग ने 16 जून, 2025 को एक आदेश जारी किया था। इसमें यूपी के हजारों स्कूलों को बच्चों की संख्या के आधार पर नजदीकी उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में मर्ज करने का निर्देश दिया था। सरकार ने तर्क दिया था कि इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा। वहीं सरकार के इस फैसले के खिलाफ सीतापुर जनपद के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले 51 बच्चों की तरफ से इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ में याचिका दायर की गई थी। इसके अलावा एक अन्य याचिका भी मर्जर के खिलाफ दायर थी। दोनों याचिकाओं पर सोमवार को फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि स्कूलों के विलय का निर्णय राज्य सरकार की नीतिगत योजना का हिस्सा है और अदालत इस तरह के फैसलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी। ऐसे में कोर्ट का यह अहम फैसला सरकार के पक्ष में बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। बताते चलें कि कोर्ट ने बीते शुक्रवार को सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया था। इसे सोमवार की दोपहर में सुनाया गया।

याचियों ने सरकार के फैसले को बताया आरटीई का उल्लंघन

न्यायालय में दाखिल याचिकाओं पर याचियों ने बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें कम छात्र संख्या वाले प्राइमरी स्कूलों को उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में मर्ज करने की बात कही गई थी। याचियों ने इसे शिक्षा के अधिकार कानून (आरटीई) का उल्लंघन बताते हुए आदेश को रद्द करने की मांग की थी। साथ ही मर्जर से छोटे बच्चों के स्कूल दूर हो जाने की परेशानियों का मुद्दा भी उठाया गया। वहीं सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि वास्तव में यह मर्जर नहीं, बल्कि स्कूल पेयरिंग की प्रक्रिया है, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सकेगी। यह भी बताया गया कि राज्य में कई प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं, जहां एक भी छात्र नहीं है। ऐसे में इन स्कूलों को पास के विद्यालयों में मिलाकर शिक्षकों और सुविधाओं का बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

पुलिस हिस्ट्रीशीटर के घरों पर मनमाना तरीके से असमय दौरा नहीं कर सकती : हाईकोर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को एक ऐसे व्यक्ति के घर देर रात तक जाने से रोक दिया है, जिसके खिलाफ हिस्ट्रीशीट खोली गई है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अनिल कुमार एक्स की खंडपीठ ने खड़क सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य के प्रसिद्ध मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। जिसमें यह माना गया था कि पुलिस हिस्ट्रीशीटर आदि के घरों का मनमाना तरीके से असमय दौरा नहीं कर सकती है। खंडपीठ ने यह आदेश समुंदर पांडे नामक व्यक्ति द्वारा दायर आपराधिक रिट याचिका पर पारित किया है। याची ने याचिका में अपने खिलाफ हिस्ट्रीशीट खोलने को चुनौती दी थी। उसका कहना है कि हिस्ट्रीशीट अप्रासंगिक सामग्री पर आधारित है। उन्होंने दावा किया कि

- पुलिस को कथित हिस्ट्रीशीटर के घर देर रात जाने से रोका

इसके आड़ में उन्हें पुलिस द्वारा परेशान किया जा रहा है, क्योंकि पुलिसकर्मी अनियमित समय पर याचिकाकर्ता के घर में घुस रहे हैं और उन्हें पुलिस थाने ले जा रहे हैं। इससे उनकी निजता के अधिकार का उल्लंघन हो रहा है। उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को मानसिक कष्ट हो रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार, प्रयागराज के पुलिस आयुक्त और संबंधित स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) सहित प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस को रात में 'अवैध समय' पर घरों का दौरा करने से रोक दिया। कोर्ट ने इस मामले को 11 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई 10 को

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि बिहार की मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को विचार करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस मामले में शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध स्वीकार करते हुए कहा कि अदालत गुरुवार को इस मामले में विचार करेगी। बिहार में नवंबर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उससे पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के इस फैसले पर सवाल उठाये जा रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के अलावा कई स्वयंसेवी संस्थाएं पुनरीक्षण के लिए निर्धारित समय समेत अन्य व्यावहारिक दिक्कतों का हवाला देते हुए आयोग के इस फैसले का खुलकर विरोध कर रही हैं।

उनका कहना है कि इससे बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। इसलिए याचिकाकर्ता ने अदालत से गुहार लगाते हुए कहा है कि चुनाव आयोग के गत 24 जून को जारी उक्त आदेश को रद्द कर दिया जाए। याचिकाकर्ताओं कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा, राष्ट्रीय जनता दल सांसद मनोज कुमार झा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सांसद सुप्रिया सुले, सीपीआई के महासचिव डी राजा, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा सांसद सरफराज अहमद और भाकपा (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य शामिल हैं। इसी प्रकार गैर सरकारी संगठनों - एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, पीयूसीएल और सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव समेत अन्य ने इस संबंध में चुनाव आयोग के 24 जून, 2025 के फैसले की वैधता को शीर्ष अदालत में चुनौती देते हुए अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यह कदम संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21, 325 और 326 के साथ-साथ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 21 ए के प्रावधानों का उल्लंघन है।

ब्रिक्स देशों का आतंकवाद पर सख्त रुख

- पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो/नई दिल्ली। ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए सभी तरह के आतंकवाद से सख्ती से निपटने की प्रतिबद्धता जताई है और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों तथा आतंकवादी गुटों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आह्वान किया है।

ब्रिक्स देशों के 17 वें शिखर सम्मेलन में रविवार देर रात यहां जारी संयुक्त घोषणा पत्र में सभी सदस्य देशों ने आतंकवादी कृत्यों की जोरदार शब्दों में कड़ी निंदा की और वैश्विक संस्थाओं को समय की जरूरत के अनुसार अधिक समावेशी बनाने पर जोर देते हुए सतत शासन के लिए ग्लोबल साउथ सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया।

घोषणा पत्र में सदस्य देशों की ओर से कहा गया है, हम आपसी सम्मान और समझ, संप्रभु समानता, एकजुटता, लोकतंत्र, खुलेपन, समावेशिता, सहयोग और आम सहमति की ब्रिक्स भावना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम राजनीतिक और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय, सांस्कृतिक और लोगों के बीच सहयोग के तीन स्तंभों के तहत विस्तारित ब्रिक्स में सहयोग को मजबूत करने और शांति, अधिक प्रतिनिधित्व, निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, एक पुनर्जीवित और सुधार पर आधारित बहुपक्षीय प्रणाली, सतत विकास और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के माध्यम से लोगों के लाभ के लिए रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हैं। उन्होंने वर्ष 2026 में भारत को ब्रिक्स की अध्यक्षता सौंपे जाने और भारत में 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी दिया। सदस्य देशों ने आतंकवाद को कतई न बर्दाश्त करने और आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों को खारिज करते हुए कहा दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए मिलकर काम करने की वचनबद्धता प्रकट की।

उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा , ह्न हम आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं, चाहे वह किसी भी उद्देश्य से किया गया हो, जब भी, जहाँ भी और किसी के द्वारा भी किया गया हो। हम 22 अप्रैल 2025 को जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। हम आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही, आतंकवाद के वित्तपोषण और सुरक्षित पनाहगाहों सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। ब्रिक्स देशों ने आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने वाले देशों को कड़ा संदेश देते हुए कहा , ह्न हम दोहराते हैं कि आतंकवाद को किसी भी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार को दी पांच नई ट्रेनों की सौगात

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे विकास के लिए समर्पित है : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

पटना। बिहार दौरे पर सोमवार को पहुंचे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार को एक साथ पांच नई ट्रेनों की सौगात दी। इनमें चार अमृत भारत एक्सप्रेस भी शामिल हैं। इस मौके पर रेल मंत्री वैष्णव ने पटना और दिल्ली के बीच प्रतिदिन अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन की घोषणा की। रेल मंत्री ने कहा कि जल्द ही बिहार के कुछ नई परियोजनाओं की मंजूरी दी जाएगी, जिनमें 1,156 करोड़ की लागत से 53 किलोमीटर लंबी भागलपुर-जमालपुर तीसरी रेल लाईन, 2017 करोड़ रुपये की लागत से 104 किलोमीटर लंबी बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेल लाईन का दोहरीकरण और 3000 करोड़ रुपये की लागत से 177 किलोमीटर लंबी रामपुर हाट-भागलपुर का दोहरीकरण परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे देश के विकास के लिए समर्पित है। पिछले 11 वर्षों में 33,000 किलोमीटर से अधिक नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं।

इससे पहले रेल मंत्री ने सोमवार को बिहार के कई रेलवे स्टेशनों का औचक निरीक्षण किया और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। पटना से शुरू हुए निरीक्षण दौरे में हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और सोनपुर डिवीजन के स्टेशन शामिल भी थे।

निरीक्षण के बाद रेल मंत्री ने कहा कि बिहार में जल्द ही दो सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क आफ इंडिया (एसटीपीआई) का उद्घाटन किया जाएगा। इनमें 53 करोड की लागत से पाटलिपुत्र में तथा 10 करोड़ की लागत से दरभंगा में निर्मित एसटीपीआई शामिल हैं । रेलवे स्टेशनों के निरीक्षण के दौरान पूर्व मध्य रेलवे (हाजीपुर) के महाप्रबंधक, सोनपुर डिवीजन के डीआरएम और दरभंगा से भाजपा सांसद गोपाल जी ठाकुर भी मंत्री के साथ थे।

वैष्णव ने दीघा घाट रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने के बाद समस्तीपुर जिले के कर्पूरीग्राम स्टेशन जाने से पहले हाजीपुर जंक्शन का दौरा किया।

मंझनपुर के तन्नापर 5.67 करोड़ की लागत से बनेगा विवाह घर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

विवाह घर का भूमि पूजन करते न.पा.प. मंझनपुर के अध्यक्ष वीरेंद्र फौजी व भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद मंझनपुर के तन्नापर में गरीब व जरूरतमंद की बेटियों की शादी के लिए सोमवार को भव्य विवाह भवन की भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य शुरू हो गया। उक्त विवाह घर 5.67 करोड़ की लागत से बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गरीबों के लिए दिये गाये उक्त तोहफ़े से खुश होकर लोगों ने कहा कि अब गरीब घर की बेटियों का विवाह सजेधजे विवाह घर से होगा। सोमवार को बहुप्रतीक्षित भवन के भूमि पूजन के लिए भाजपा अध्यक्ष धर्मराज मौर्य की उपस्थिति में नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अध्यक्ष वीरेंद्र फौजी द्वारा 101 ब्राह्मणों को बुलाकर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिविधान से भूमि पूजन कराकर निर्माण कार्य शुरू कराये। इस दौरान अध्यक्ष वीरेंद्र फौजी ने कहा कि यह सिर्फ एक भवन ही नही बल्कि गरीबो की दुआओबक प्रतिफल है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कौशाम्बी की जनता के लिए यह सौगात भेजकर अपना संवेदनशील व कल्याणकारी चेहरा फिर से दिखाया है। कहा कि एक वर्ष के अंदर यह मंडपम पूरी तरह बनकर जनता को समर्पित होगा।

पूर्वाचार्यों की सन्निधि में मनाया जायेगा श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ पूज्यनीय पूर्वाचार्यों की सन्निधि में श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा 10 जुलाई 2025 गुरुवार को आप सादर आमंत्रित हैं। आचार्य पूजन प्रातः 9 बजे से गुरुदीक्षा एवं गुरु पूजन 10 बजे से स्थानः आचार्यपीठ श्रीलक्ष्मणकिला श्रीअयोध्याजी में।।

बिहार के पूर्णियां में डायन के आरोप में 5 लोगो को जिंदा जलाया

पटना/पूर्णिया। पूर्णिया जिले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजीगंज पंचायत के आदिवासी बाहुल्य टेटगामा में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जलाकर मार डाला गया। घटना के बाद पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना समेत आसपास के तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी गांव में कैंप कर रहे हैं। घटना के संबंध में चश्मदीद परिवार के एक मात्र जीवीत युवक सोनू कुमार ने बताया कि उसकी मां पर डायन का आरोप लगाकर रविवार की देर रात गांव के मर्रर (प्रमुख) नकुल उरांव के नेतृत्व में एक बैठक की गई। बैठक में गांव के करीब 200 लोग शामिल हुए है।

भारत का रक्षा बजट दुनिया के कुछ देशों की जीडीपी से भी बड़ा : राजनाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारत ने स्वदेशी हथियारों के जरिए जिस तरह अपना शौर्य दिखाया है, उसके बाद हमारे घरेलू उत्पादों की मांग वैश्विक स्तर पर और भी बढ़ गई है। आज हम रक्षा क्षेत्र में एक तरह से लगभग आत्मनिर्भरता हासिल कर चुके हैं। हमारे अधिकांश उपकरण एक समय में विदेशों से आयात किए जाते थे, वह आज हम खुद अपने देश में बना रहे हैं। हमारा रक्षा व्यय कुछ ऐसा होना चाहिए, जिसमें सिर्फ हमारा बजट न बढ़े, बल्कि उसका सही आवंटन सही समय पर और सही उद्देश्य के लिए भी हो।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को यह बातें नई दिल्ली में डीआरडीओ की ओर से आयोजित नियंत्रकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों ने जो वीरता दिखाई है, साथ ही जिस तरह से हमने अपने घरेलू उपकरणों की क्षमताओं का प्रदर्शन किया है, उससे हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। 2024 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, इतना बड़ा बाजार हमारा इंतजार कर रहा है। अगर आप हमारे रक्षा बजट को देखें, तो यह दुनिया के कुछ देशों की जीडीपी से भी बड़ा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित किया जाता है, तो हमारी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार जीईएम पोर्टल से पूंजी खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। इस विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों पर खातों का प्रबंधन करना नहीं है, बल्कि यह हमारी सुरक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। जब आप ईमानदारी से बात करते हैं, तो इसका असर हमारी सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों तक भी पहुंचता है। उन्हें लगता है कि उनके पीछे एक सिस्टम है, जो हर परिस्थिति में उनके साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि आज रक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलाव गतिशील और अनिश्चित हैं।

- ऑपरेशन 'सिंदूर' में दिखी ताकत से स्वदेशी हथियारों की मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ी

शांति का समय एक दिखावा है। इसके अलावा कुछ नहीं। हम सभी को शांति के समय में रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने पर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन अचानक हम खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जिसमें हमें कुछ और करने की आवश्यकता महसूस होती है। अगर किसी उपकरण की अचानक आवश्यकता बढ़ जाती है, तो हम सभी को इस मुद्दे को हल करने के बारे में विचार करना चाहिए। यह सब शांति के समय में किए जाने की जरूरत है। वित्तीय प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए हम सभी को रक्षा अर्थशास्त्र में एक कदम और आगे बढ़ना चाहिए। इसके पीछे कारण यह है कि पूरा विश्व पुनः शस्त्रीकरण के एक नए युग की ओर बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में कई पूंजी निवेश किए जा रहे हैं।

आईएमओ यूपी अध्यक्ष डॉ. संत बहादुर यादव ने मुख्यमंत्री योगी से की शिष्टाचार भेंट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। इंडियन मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (आईएमओ) उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संत बहादुर यादव ने पांच कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान डॉ. यादव ने प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रदेश भर के मेडिकल, चिकित्सकों, प्रशिक्षुओं और स्वास्थ्यकर्मियों से जुड़ी बुनियादी समस्याओं, संसाधनों की उपलब्धता, कार्य-परिस्थितियों एवं सेवा शर्तों में सुधार हेतु मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। इसी क्रम में उन्होंने अपने गृह जनपद सुलतानपुर की विभिन्न समस्याओं-विशेषकर स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की दशा, संसाधनों की कमी तथा चिकित्सकीय स्टाफ की तैनाती के संबंध में भी मुख्यमंत्री से चर्चा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. संत बहादुर यादव द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और यह भरोसा दिलाया कि संबंधित विभागों के माध्यम से सभी समस्याओं का शीघ्र एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सुलतानपुर जिले के चहुंमुखी विकास में राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

दामाद के साथ रह रही महिला का शव फंदे पर लटकता मिला

लखनऊ। राजधानी के बीबीडी थानाक्षेत्र में 45 साल की महिला का शव जामुन के पेड़ से लटकता मिला है। महिला जुग्गौर में अपने दामाद के साथ रह रही थी। घटना के बाद से दामाद फरार है। पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बीबीडी थानाक्षेत्र के जुग्गौर नरेंदी गांव निवासी शकुंतला देवी का शव सोमवार सुबह खेत पर पेड़ से लटकता मिला। पुलिस ने बताया है कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। महिला के पति परेश की 13 साल पहले मौत हो चुकी है। शकुंतला का शव किसान पथ से सटे खेत में जामुन के पेड़ से लटकता मिला। इसकी सूचना ग्राम प्रधान सुरेश कुमार ने पुलिस को दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला अपने दामाद के साथ कई साल से रह रही थी। घटना के बाद से दामाद फरार है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह के पिता आनंद सिंह का निधन, मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह के पिता एवं पूर्व मंत्री आनंद सिंह का रविवार देर रात को लखनऊ में निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज (7 जुलाई) दोपहर 3 बजे निवास मनकापुर कोट, गोंडा में संपन्न होगी। इसकी सूचना केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दी है। उन्होंने लिखा, ''आप सभी को अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि आज रात पिताश्री सभी के अभिभावक (आनंद सिंह) पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व सांसद का देहावसान हो गया है। पिता का देवलोकगमन मेरे जीवन की अपूरणीय क्षति है। पिताश्री की अंतिम यात्रा आज दोपहर 3 बजे मेरे निवास मनकापुर कोट, गोंडा में संपन्न होगी। आनंद सिंह उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी (सपा) सरकार में कृषि मंत्री रहे। इसके पहले वह कांग्रेस पार्टी में रहे और गोंडा संसदीय क्षेत्र से चार बार सांसद रहे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा कि केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह के पिता एवं पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद आनंद सिंह का निधन अत्यंत दुःखद है। विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा कि यूपी सरकार के पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद गोंडा निवासी राजा आनंद सिंह का निधन, अत्यंत दुःखद! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

संक्षिप्त समाचार

वन विभाग करेगा नदियों के किनारे 3.5 करोड़ पौधरोपण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और नदियों के पुनर्जीवन के लिए एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। वन महोत्सव 2025 के अंतर्गत वन विभाग द्वारा प्रदेश की प्रमुख नदियों के किनारे लगभग 3.5 करोड़ पौधों का रोपण का लक्ष्य रखा गया है। इस महा अभियान के तहत प्रदेश की प्रमुख नदियों गंगा, यमुना, गोमती, केन, बेतवा आदि के किनारे 5 किलोमीटर के क्षेत्र में पौधरोपण किया जाएगा। नदियों के किनारे हरित आवरण को बढ़ाना, प्रदूषण नियंत्रण, मृदा संरक्षण, जल संचयन के साथ नदी पुनर्जीवन कार्यक्रम के लिए भी यह अभियान लाभदायक साबित होगा। प्रदेश में जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण संतुलन के कई विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। जिसमें एक ओर एक जुलाई से वन महोत्सव 2025 पौधरोपण का महा अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत वन विभाग प्रदेश की सभी प्रमुख नदियों के किनारे 21,313.52 हेक्टेयर क्षेत्र में 3,56,26,329 पौधों का रोपण करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही ये पौधरोपण महा अभियान नदियों के पुनरीद्धार कार्यक्रम को भी सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अभियान के तहत गंगा, यमुना, सरयू, गोमती, केन, बेतवा, राप्ती, सोन, रामगंगा, छोटी गंडक, चंबल, हिंडन, और अन्य नदियों के किनारे 5 किलोमीटर के दायरे में पौधरोपण किया जाएगा। वन विभाग ने इसके लिए विस्तृत योजना तैयार की है, जिसमें कुल 23,772.45 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया जाएगा। अभियान के तहत यमुना नदी के किनारे सर्वाधिक 96,78,330 पौधे लगाए जाएंगे, जबकि गंगा के किनारे 54,80,994 और बेतवा के किनारे 50,61,251 पौधों का लक्ष्य रखा गया है। सरयू/घाघरा, गोमती, सई, केन, राप्ती, सोन, रामगंगा, छोटी गंडक, चंबल, और हिंडन नदियों के किनारे भी बड़े पैमाने पर पौधरोपण होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन महोत्सव-2025 को पेड़ लगाएं जीवन बचाएं नारे के साथ जन-आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया है। जिसके तहत वन विभाग पूरे प्रदेश में अन्य विभागों के सहयोग से विशेष रूप से 09 जुलाई को रिकार्ड 37 करोड़ पौध रोपण का लक्ष्य रखा है। वन महोत्सव के तहत ही वन विभाग प्रदेश की सभी बड़ी नदियों के किनारे पौध रोपण करेगा। नदियों के किनारे पौधरोपण से मृदा अपरदन को रोकने में मदद मिलेगी, जिससे नदियों का जल प्रवाह सुचारू रहेगा। इसके साथ ही, पेड़ों की जड़ें मिट्टी को बांधे रखती हैं, जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याओं में कमी आती है। साथ ही पर्याप्त वर्षा जल संचयन से भूजल स्तर में सुधार होगा, जो कृषि और पेयजल उपलब्धता के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा पौधरोपण अभियान में फलदार और औषधीय पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी।

यूपी के ब्लॉक स्तर पर स्थापित की जा रही हैं एस्ट्रो लैब्स

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अंतरिक्ष वैज्ञानिक की पौध तैयार करने के लिए ब्लॉक स्तर पर सरकारी स्कूलों में एस्ट्रो लैब्स तैयार की जा रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के कई जिलों के ब्लॉक के सरकारी स्कूलों में पीपीपी मॉडल पर एस्ट्रो लैब बनकर तैयार भी हो गयी हैं, जहां बच्चे केवल किताबों से ही नहीं, बल्कि टेलीस्कोप, पीआर और माइक्रोस्कोप के जरिए अंतरिक्ष के रहस्यों से रूबरू हो रहे हैं। अधिकृत सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और तकनीक-समर्थ शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। उनके इसी विजन को एस्ट्रो लैब्स साकार कर रही है, जहां ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र अंतरिक्ष, प्रकाश, गुरुत्वाकर्षण जैसे जटिल सिद्धांतों को लैब्स के जरिये समझ पा रहे हैं। योगी सरकार ने इस एस्ट्रो लैब्स को अमृत काल लर्निंग सेंटर्स का नाम दिया है। इसे पीपीपी मॉडल पर तैयार किया जा रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश के कई ब्लॉक के सरकारी स्कूलों में एस्ट्रो लैब्स बनकर तैयार हो गयी हैं। यहां पर बच्चों को डॉबसोनियन टेलीस्कोप, पीआर हेडसेट, माइक्रोस्कोप और मानव शरीर रचना मॉडल जैसे अत्याधुनिक उपकरणों के जरिये उनके ज्ञान को बढ़ाया जा रहा है। इतना ही नहीं शिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम, वीडियो गाइड और मेंटरशिप की व्यवस्था की गयी है ताकि वे बच्चों को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ सकें। बलिया के जिलाधिकारी मंगला प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बलिया के सभी 17 ब्लॉकों में विज्ञान एवं खगोलशास्त्र प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बी. नारायण ने सीएम योगी से की भेंट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को उनके सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर अध्यक्ष, इसरो एवं सेक्रेटरी, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार डॉ. बी. नारायणन ने शिष्टाचार भेंट की।

लखनऊ में व्यावसायी लोग तलाशने लगे तीन हजार से दस हजार वर्गमीटर के प्लॉट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से तीन हजार वर्गमीटर के ऊपर के जमीन पर व्यावसायिक नक्शा पास होने की अनुमति देते ही लखनऊ में व्यावसायी लोग तीन हजार से दस हजार वर्गमीटर के प्लॉट तलाशने लगे है। होटल, हॉस्पिटल, बिग मार्केट, शॉपिंग काम्पलेक्स जैसे व्यावसाय से जुड़े लोगों की नजरें शहर के चारों ओर दौड़ रही है। लखनऊ में आईआईएम रोड, भिटौली क्रासिंग, बक्शी का तालाब, तिवारीपुर से जुड़े प्रापर्टी डीलरों की मानें तो उनके क्षेत्र में बड़े प्लॉटों की मांग बढ़ गयी है। इस वक्त क्षेत्र के अनुसार रेट भी बढ़ सकता है। अभी सड़क पर रेट 27 सौ रूपये वर्गमीटर है। सड़क के भीतर 18 सौ का रेट चल रहा है। बड़े प्लॉटों की मांग देखते हुए उसके रेट अवश्य बढ़ेगें। शहर के दूसरी छोर पर सुलतानपुर रोड की ओर तेजी से बस रहें शहरी इलाकों में बड़े प्लॉटों की भी मांग बढ़ी है। सुलतानपुर रोड पर प्लॉटिंग कार्य से जुड़े गोल्डेन गुप्ता बताते है कि व्यावसाय की दृष्टिकोण से इस तरफ काफी स्कोप है। गोसाईगंज क्षेत्र के आसपास दो हजार के रेट से अभी भी जमीनें मिल जाएगी। वहीं सड़क के दोनों ओर की जमीन का तीन हजार का रेट पहुंच चुका है। जिसके आगे बढ़ते ही रहने की उम्मीद है। लखनऊ शहर में जहां एक ओर व्यावसाय की सम्भावना को देखते हुए बड़े प्लॉट की तलाश तेज हो गयी है। वहीं कुछ प्लॉटों को खरीदने के बाद से उनके मालिकों ने छुआ तक नहीं है। कई वर्षों से प्लॉट को कोई देखने तक नहीं आया है, जिसके कारण उसमें झाड़ी उग आई है। कुछ जगहों पर प्लॉट के गेट तक टूट गये है। बीकेटी के चंद्रिका देवी मार्ग, इंदिरा नगर से सुगामऊ मार्ग, वृंदावन कालोनी जैसे शहरी इलाकों में ऐसे कई गुमनाम बड़े प्लॉट मौजूद है।

लखनऊ में नौ जुलाई को जुटेंगे शराब उद्योग से जुड़े नामचीन चेहरे

लखनऊ। लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान स्थित सभागार में उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग की ओर से इंवेस्टर्स समिट का आयोजन होने जा रहा है। इस इंवेस्टर्स समिट में शराब उद्योग से जुड़े देश के नामचीन चेहरे जुटने जा रहे हैं। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि शराब उद्योग में निवेश लाने के लिए नौ जुलाई को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इंवेस्टर्स समिट करने की तैयारी है। इस इंवेस्टर्स समिट में शराब उद्योग जगत के देशभर के उद्यमी दिखेगें। अल्होहल के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के भीतर चल रहे तमाम कार्यों को उद्यमियों को बताया जाएगा। इस आयोजन को लेकर सभी औपचारिकताएं पूरी हो गयी है। मंगलवार को सम्पूर्ण जानकारी साझा की जाएगी।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस सप्ताह में कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित, विजेता युवा पुरस्कृत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस सप्ताह में लखनऊ दक्षिण जिले के आलमबाग नगर इकाई ने कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया। चिल्ड्रन पार्क आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभागी युवाओं एवं छात्र छात्राओं ने अच्छा प्रदर्शन किया और अंत में उन्हें पुरस्कृत किया गया। खेलो भारत आयाम के तहत चिल्ड्रन पार्क में कबड्डी प्रतियोगिता में एबीवीपी की प्रांत सह मंत्री एवं जिला संगठन मंत्री पुष्पा गौतम उपस्थित रहीं। पुष्पा गौतम ने कबड्डी को स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छा खेल बताया। साथ ही प्रतिभागियों को निरंतर कबड्डी खेलते रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ चित्र भी लिया। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में एबीवीपी का हेल्पडेस्क सक्रिय है। स्नातक प्रवेश परीक्षा में पहुंचने वाले अभ्यर्थियों की यह हेल्पडेस्क निरंतर सहायता कर रहा है। हेल्पडेस्क से तमाम प्रश्न किए जा रहे हैं और अभ्यर्थी अपना उत्तर भी पा रहे हैं।

कोचिंग जाती छात्रा से छेड़छाड़, स्कूटी सवार युवक ने अश्लील हरकत की

लखनऊ। लखनऊ के मोहनलालगंज में एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। छात्रा साइकिल से कोचिंग जा रही थी। किसान पथ की सर्विस रोड पर एक स्कूटी सवार ने उसका रास्ता रोक लिया और छेड़छाड़ शुरू कर दी। लड़की के चिल्लाने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई तो आरोपी स्कूटी छोड़कर भाग निकला। पीड़िता ने सोमवार को पिता के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया शुक्रवार को साइकिल से कोचिंग जा रही थी। किसान पथ पर स्कूटी से आए लड़के ने आगे गाड़ी लगाकर रोक लिया। इसके बाद हाथ पकड़कर छेड़छाड़ शुरू कर दी। चिल्लाने पर लोग जमा हो गए। राहगीरों ने लड़के को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह अपनी स्कूटी छोड़कर फरार हो गया। उन्होंने बताया घर वापस आने के बाद पिता को पूरी बात बताई। इसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीजीआई पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस स्कूटी के नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

पैरा बैडमिंटन में बेटियों ने वैश्विक स्तर पर बढ़ाया यूपी का मान

- युगांडा इंटरनेशनल टूर्नामेंट में स्वाति और कनक सिंह ने जीते पांच पदक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की बेटियों ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में प्रदेश का परचम लहराया है। लखनऊ स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की छात्राएं स्वाति और कनक सिंह ने युगांडा पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट 2025 में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर यह साबित कर दिया है कि अवसर मिलने पर कोई भी शारीरिक सीमा प्रतिभा को नहीं रोक सकती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में दिव्यांगजन सशक्तिकरण की जो नीतियां धरातल पर उतारी गई हैं, उनकी गूंज अब वैश्विक मंचों पर भी सुनाई देने लगी है और स्वाति व कनक की सफलता भी उसी का परिणाम है। युगांडा की राजधानी कैंपाला में 1 से 6 जुलाई तक आयोजित इस इंटरनेशनल टूर्नामेंट में 50 से अधिक देशों के पैरा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इस टूर्नामेंट में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की छात्रा स्वाति ने महिला एकल एसयू-5 वर्ग में रजत, महिला युगल एसएलथ्री-एसयूफाइव में स्वर्ण और मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक हासिल किया। इसके अलावा इसी विश्वविद्यालय की छात्रा कनक सिंह ने महिला एकल एसएल-4 और महिला युगल वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वाति और कनक की यह सफलता सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि योगी सरकार की तैयार दिव्यांगजन सशक्तिकरण मॉडल की सफलता है। बेटियों ने यह सिद्ध कर दिया कि अवसर, संसाधन और मार्गदर्शन मिलने पर कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। कुलपति प्रो. संजय सिंह ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय की पुनर्वास और अकादमिक व्यवस्था का प्रतिफल बताया। उन्होंने कहा कि हमारी छात्राएं अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। यह पूरे प्रदेश की बेटियों और दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणास्पद क्षण है। क्रीड़ा एवं योग प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. पाण्डेय राजीवनयन ने इसे विश्वविद्यालय की प्रशिक्षण नीति की सफलता बताया, जबकि कोच इरशाद अहमद ने भावुक होकर कहा कि सच्ची लगन, मेहनत और आत्मविश्वास से कोई भी चुनौती असंभव नहीं रहती। यह सफलता पूरे समाज को प्रेरणा देगी।

गोमूत्र से होगा डायबिटीज-हार्ट समेत 19 बीमारियों का इलाज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने आयुर्वेद और परंपरागत चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने के मकसद से अनोखी पहल की है जिसके अंतर्गत अब दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर (पंचगव्य) से आयुर्वेदिक मंजन, मलहम और औषधीय उत्पाद तैयार किए जाएंगे। खास बात यह है कि इन उत्पादों को औपचारिक आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में सम्मिलित किया जाएगा। पंचगव्य के आधार पर बड़े पैमाने पर उत्पाद बनाए जाएंगे, जिससे ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा और गोशालाओं की उपयोगिता भी पहले से अधिक बढ़ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार गोमूत्र में औषधीय गुण मौजूद होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। सरकार के इस प्रयास के तहत डायबिटीज और हृदय रोग जैसी कुल 19 बीमारियों के इलाज में गोमूत्र आधारित उत्पाद प्रभावी भूमिका निभाएंगे जिनमें चर्म रोग, गठिया जोड़ों का दर्द, मुंहासे, साइनस, दमा एवं सांस संबंधी रोग, पीलिया, पेट दर्द, तेज बुखार, एनीमिया, टॉन्सिल, हृदय रोग, चक्कर/सर दर्द, पालिप्स, डैंड्रफ, मधुमेह, गंजापन, अवसाद, रक्त विकार, दांत दर्द शामिल हैं। उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि आयुष विभाग के सहयोग से पंचगव्य आधारित उत्पादों के निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाया जा रहा है। पंचगव्य का विशेष महत्व है और अब इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से तैयार कर आमजन के लिए लाभकारी औषधियों के रूप में उपयोग में लाया जाएगा। सरकार की योजना है कि पंचगव्य से बनने वाले उत्पादों को आधुनिक अनुसंधान से जोड़कर प्रमाणिक बनाया जाए। इससे इन उत्पादों को व्यापक स्तर पर चिकित्सा पद्धति में स्थान मिलेगा।

डूडा व नगर निकायों की हुई बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में डूडा व निकाय कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत धनराशि की उपलब्धता के अनुसार प्रस्ताव तैयार किये जाएं। कार्यों की एक वरीयता सूची बनाई जाये। जिन निकायों के प्रस्ताव नहीं मिले हैं उसमे 20 जुलाई तक प्रस्ताव लिए जाएं। निर्माण कार्यों में शासनादेशों का पालन किया जाये। नगर निकायों को उन्होंने निर्देश दिए कि निकायों में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाये। पेयजल की व्यवस्था एक निश्चित समयावधि के मेंटीनेन्स के साथ स्थापित की जाये। नगर निकायों के पिछड़े इलाकों में पाईप पेयजल की व्यवस्था टाइड फंड से की जायेए यदि ये क्षेत्र अमृत 2 योजना से आच्छादित न हों। ऐसे क्षेत्र में 200 परिवारों के हिसाब के योजना बना ली जाये। विभिन्न वार्डों के सार्वजनिक स्थलों पर 100 किली के जलाशय बनाकर बहुनल संरचना से जल आपूर्ति की जाये। भविष्य में जल आपूर्ति की आवश्यकता होने पर मानक के अनुरूप ट्यूबवेल की व्यवस्था की जाये। पाईप से जल आपूर्ति के लिए डीआई पाईप का प्रयोग किया जाये। सभी वार्डों में कम से कम 2 हाथ ठेलों की व्यवस्था कचरा निस्तारण के लिए की जाये। प्रत्येक वार्ड के लिए एक ई रिक्शा कूड़ा गाड़ी की व्यवस्था की जाये। व्यावसायिक क्षेत्रों में 2 ऑटो टिपर की व्यवस्था की जाये। नगर पालिका में कम से कम दो व नगर पंचायत में कम से कम 1 मिनी जेसीबी की खरीद की जाये। कूड़ासंग्रह स्थल पर ढलाव घर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

ढलाव घर को पॉलीमर शीट से ढका जाये। ढलाव घर का आधार पक्का बनाया जाये। कचरा संग्रह स्थलों से कूड़ा उठाने के लिए पर्याप्त संख्या में वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। डोर टु डोर कचरा संग्रह व्यवस्था को बेहतर बनाया जाये।

इस अवसर अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी भूमिका राजबहादुर, नगर पालिका चेयरमैन सुखसागर मिश्र मधुर, सांसद मिश्रिख के प्रतिनिधि नरेन्द्र बाजपेई व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुष्प अर्पित कर धूमधाम से मनाई गई 102वी जयंती

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सनातन धर्म इण्टर कालेज हरदोई में पूर्व सांसद एवं विद्यालय के पूर्व प्रबंधक ठा० धर्म गज सिंह की 102वी जयंती विद्यालय के प्रधानाचार्य दिवाकर द्वारा स्व० सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर धूमधाम से मनाई गई। प्रबंधक अशोक कुमार सिंह द्वारा छात्रों को विस्किट एवं फ्रूट वितरण कराया गया प्रवक्ता राजबीर सिंह ने कहा कि स्व सांसद सिंह राजनीति के साथ साथ समाज सेवा में जीवन पर्यन्त लगे रहे जीवन भर अपने आवास पर प्रति दिन जरूरतमंदों, निर्धनों को खाना खिलाते थे संदीप बाजपेई ने कहा कि इस विद्यालय के अलावा आशा सिंह इण्टर कालेज दुलारपुर, संस्कृत विद्यालय महोलिया आदि विद्यालयों की स्थापना की। इस अवसर पर प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष विशाल तिवारी, वीरभान सिंह यादव, सर्वेश शुक्ल, अनिल कुमार पाल, हंस राज, राजीव यादव, विंदु शेखर, दीप्ति, नीलम, स्वतंत्र मिश्रा, अभिषेक, देवेश सन्त राम, दीपक तथा सभी छात्र कर्मचारी उपस्थित रहे।

संविधान विरोधी ताकतों से संविधान को बचाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करना होगाः धीरज गुर्जर

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में चल रहे संगठन सृजन अभियान में सभी जनपदों में जिला/शहर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का ''शपथ ग्रहण समारोह'' आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में आज जिला कांग्रेस कमेटी हरदोई की जिला एवं शहर के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी को राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव और सह प्रभारी उत्तर प्रदेश कांग्रेस धीरज गुर्जर ने पद और निष्ठा की शपथ दिलाई।

इस शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर राष्ट्रीय सचिव, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं सह प्रभारी उत्तर प्रदेश कांग्रेस की गरिमामयी उपस्थिति रही। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी, वरिष्ठ नेता प्रमोद सिंह, प्रदेश महासचिव सुभाष पाल, प्रदेश कांग्रेस कॉआर्डिनेटर संदीप पाल उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष अजीत विशाल नंदवंशी ने किया। राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर ने नवनियुक्त जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों को देश की सांप्रदायिक, जातिवादी ताकतों को हराने एवं सामाजिक समरसता व भाईचारा बनाए रखने व संविधान विरोधी ताकतों से संविधान को बचाने के लिए पूरी निष्ठा और सर्म्पण के साथ काम करने तथा समाज के शोषित, पीड़ित एवं वंचितों को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस की विचारधारा एवं गांधीवादी सिद्धान्तों के अनुरूप पाटी का निष्ठापूर्वक कार्य करने की शपथ दिलाई। इसके साथ ही पदाधिकारियों को पार्टी द्वारा सौंपे गए दायित्व का पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने की भी शपथ दिलाई। इस सभा सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि सोनिया गांधी के मार्गदर्शन मेंए राष्ट्रीय अध्यक्ष के कुशल नेतृत्व में, जननायक राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के सिद्धान्तों को समाहित करते हुए एवं प्रियंका गांधी वाड्रा के उत्तर प्रदेश में संगठन सृजन के स्वप्न को पूर्ण करते हुए एक सशक्त संगठन के रूप में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि आज भाजपा शासनकाल में जिस तरह से समाज में नफरत फैलाई जा रही है, दलितों और महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है, पिछड़ों की आवाज सुनी नही जा रही, हर एक आदमी परेशान है, संविधान को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा हैए ऐसे दौर में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और गांधीवादी सिद्धान्तों को अपनाकर ही हमें लड़ना होगा।

हमें हिंसा प्रति अंहिसा का रास्ता अपनाना है। कांग्रेस जैसे विशाल वृक्ष को आपको हमेशा हराभरा रखना होगा। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरियावां से वर्तमान जिला पंचायत सदस्य मोहिनी देवी ने कांग्रेस पार्टी में सदस्यता ग्रहण की।

वृक्षारोपण अभियान के तहत क्षेत्रीय विधायक ने वृक्षारोपण कर वन महोत्सव का किया शुभारंभ

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। वृक्षारोपण अभियान 2025 के तहत कछौना वन रेंज के अंतर्गत मुख्य अतिथि विधायक रामपाल वर्मा ने सोमवार को नगर वन में पौधारोपण कर वन महोत्सव का शुभारंभ किया। जिसमें विधायक रामपाल वर्मा ने बरगद, पीपल, पाकड़ आदि के पौधे आरोपित कर

आम जनमानस को 'एक पेड़ मां का नाम' लगाने की अपील की। उन्होंने कहा सभी लोग आगे जाकर पौधे आरोपित कर इस मुहिम को जन आंदोलन बना दें। यह केवल पेड़ लगाने तक सीमित न रहे, इन्हें संरक्षित एवं उच्च देखभाल की भी आवश्यकता है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना संभव नहीं है। मानवता के विकास में प्रकृति का अंधाधुंध दोहन हो रहा है जिसका खामियाजा आमजनमानस को उठाना पड़ रहा है। वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद पर्यावरण का कोई विकल्प नहीं है। हमारे लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम एक विकल्प नहीं है बल्कि अनिवार्यता है। हम सब मिलकर इस मुहिम में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करें।जिससे आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ हवा व पर्यावरण मिल सके। हमारे वृक्ष इस धरा की अमूल्य धरोहर हैं। इस अवसर पर वन क्षेत्राधिकारी विनय कुमार सिंह जादौन ने कहा कछौना की पर्यावरण दृष्टि से नगर वन काफी महत्वपूर्ण है। यह पर्यावरण के साथ पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। 24 हेक्टेयर में बना नगर वन लोगों व बच्चों के घूमने व पर्यावरण को करीब से जानने का केंद्र है। परंतु बजट के अभाव में कायाकल्प, पेड़ पौधे व काफी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने शासन से बजट स्वीकृत कराने की बात कही। इस अवसर पर उप प्रभागीय अधिकारी संडीला डॉक्टर अर्चना रावत, वरिष्ठ भाजपा नेता ब्रह्माकुमार सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष नवीन पटेल, मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह, शिवम मिश्रा, अजय बाजपेई, विधायक पुत्र अरिजीत वर्मा, युवा नेता दुर्गेश सिंह, कामीपुर अनूप सिंह, प्रधान प्रतिनिधि गोल्डी कामीपुर, दुर्गेश सिंह, जीतू सिंह, प्रगतिशील किसान अमित सिंह, डिप्टी रेंजर सुशील कुमार श्रीवास्तव, अमित सिंह, सचिन कुमार, सत्यम सिंह, कुंवर पाल सिंह, रोहित शर्मा, कृष्णा पटेल सहित वनकर्मी क्षेत्र के प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

जरूरतमंदो ने किया भण्डारा ग्रहण

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। श्री खाटू श्याम संकीर्तन समिति के द्वारा आपके शहर हरदोई में मुहिम गली-गली ऐलान होना चाहिए हर जगह बाबा का

गुणगान होना चाहिए के तत्वाधान में श्री खाटू श्याम संकीर्तन समिति का मासिक कीर्तन शहर के पावन भजन स्थल ग्राम भरिगवां सीतापुर रोड, हरदोई में संपन्न हुआ इसमें भजन गायक सचित सक्सेना ने भजन आओ सांवरिया सरकार लीले पर चढ़कर मेरा सांवरा आएगा भजनों से बाबा को रिझाया और सीतापुर से चलकर आए सीतापुर, की आन बान शान, दुर्गेश शुक्ला ने भजन हारा हूं बाबा पर तुझ पर भरोसा है यूं ही तो आंसू आए नहीं मेरी कुछ तो श्याम मजबूरी है कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आड़ों है भजनों से भक्तों को झुमाया और दूसरे दिन खाटू श्याम संकीर्तन समिति का भंडारा सिनेमा चौराहा मोनी बाबा मंदिर पर आयोजित किया गया इसमें जरूरतमंदों ने भंडारा ग्रहण किया। इस इस मौके पर श्याम सेवक आर्यन अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, धर्मेंद्र गुप्ता, अपूर्व गुप्ता, गौतम अग्रवाल, विकास गुप्ता, अंकित गुप्ता, आकाश गुप्ता, विजेंद्र गुप्ता, अमर प्रकाश पांडे, इशू गुप्ता, शिबू गुप्ता, गौरव गुप्ता, सौरभ, दिव्यांश, शानू गुप्ता अवध राज, अरुण अग्निहोत्री, समर सिंह, प्रियम मिश्रा, राकेश सिंह कनौजिया, दिनेश गुप्ता, संजय मिश्रा, सचिन शुक्ला, गौरव पांडेय, अमित गुप्ता जी, गोपाल मिश्रा, उपेंद्र अग्निहोत्री आदि श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

बाढ़ नियंत्रण हेतु बिलग्राम प्रशासन का मंथन, तैयारियां पूरी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बिलग्राम पहाड़ों पर भारी भीषण बरसात और

■ (छिबरामऊ, राजघाट की बाढ़ चौकी सक्रिय अन्य चौकियां और राहत केंद्र भी स्थापित, तहसील में भी खोला गया कंट्रोल रूम)

बांधों से छोड़े गए पानी को देखते हुए बिलग्राम प्रशासन ने गंगा के किनारे बसे गांव में अलर्ट जारी किया है। बाढ़ से निपटने के लिए तैयारी को लगभग पूरा कर लिया है। डीएम के निर्देश के बाद तहसील प्रशासन ने बाढ़ से निपटने के लिए सभी तैयारियां को अंतिम रूप दे दिया है। तहसील मुख्यालय पर बाढ़ कंट्रोल रूम खोल दिया गया है। जानकारी देते हुए एसडीएम पूनम भास्कर ने बताया की राजघाटए छिबरामऊ की बाढ़ चौकिया को सक्रिय कर दिया गया है। सभी बाढ़ चौकियां भी बना दी गई हैं । प्रत्येक

गांव में जो नाविक हैं उन्हें सूचीबद्ध करते हुए उनके मोबाइल नंबरए ग्राम प्रधान के नंबर और लेखपाल को उनके संपर्क में लगातार रहने को उनके निर्देश दिए गए हैं। भौतिक सत्यापन भी गंगा किनारे के गांव का कर लिया गया है। हालांकि अभी गंगा का जलस्तर पूरी तरीके से सामान्य है। अभी इतना जलस्तर नहीं है की नदी के बाहर पानी आ सके। अभी नदी में ही पूरा पानी नही है। राजघाट पर प्रशासन वैसे भी सतर्क है क्योंकि सावन के महीने में कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है लोग गंगा स्नान करेंगे और जलस्तर थोडा बढ़ा हुआ है। जिसकी वजह से गंगाजल लेकर लोग जलाभिषेक के लिए निकलेंगे ।वहां पर पुलिस प्रशासन और नाव लगी रहेगी।

जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक हुई सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर एवं सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की अनुमति पर ०7 जुलाई 2025 को समाजवादी पार्टी हरदोई की जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक सपा जिला कार्यालय हरदोई पर संपन्न हुई मासिक बैठक में ब्लॉक नगर विधानसभा फ्रंटल संगठनों एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियो ने भाग लिया बैठक का मुख्य एजेंडा लखनऊ स्नातक के विधान परिषद चुनाव में स्नातको के फार्म भरवा कर जिला कार्यालय को जमा करने एवं सपा के संगठन में निष्क्रिय लोगों को हटाकर सक्रिय लोगों को समावेश करने ब्लॉक नगर विधानसभा एवं अनुषांगिक संगठनों के जिला कार्यकारिणी को जिले पर अनुमोदित एवं सत्यापित करने सभी को मासिक बैठक संपन्न करने का था बैठक को संबोधित करते हुए सपा के जिला अध्यक्ष श्री शराफ्त अली ने कहा की कार्यकर्ता संगठन की रीड होता है इसलिए संगठन को मजबूत बनाने का काम संगठन के लोगों को मजबूती से करना है अच्छे प्रत्याशियों का चयन ही हमारी प्राथमिकता है 2027 के चुनाव में वही प्रत्याशी हमारा होगा जो पार्टी के द्वारा चयनित होगा हम चयन में काम के आधार को वरीयता देंगे जिनकी बूथ कमेटी जोनल सेक्टर कमेटी बनी होगी बूथ अध्यक्षों को बूथ पर सक्रिय रखेगा वही हमारा पार्टी का प्रत्याशी होगा हम राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के दिशा निर्देशों का पूरी तरीके से पालन करेंगे भाजपा की षड्यंत्रकारी नीतियों का विरोध करेंगे बूथ जीतना हमारी प्राथमिकता है इसलिए बूथ अध्यक्षों के मान और सम्मान मे कोई कमी नहीं आने दी जाएगी आज की मासिक बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अजय सिंह पाल अमित बाजपेई राहुल गुप्ता फूलचंद वर्मा धर्मवीर यादव सुशील हंस सरोज कुमार सिंह जिला महासचिव चंद्रशेखर पाल प्रदेश सचिव डॉक्टर अरुण मौर्य पूनम सरोज जिला सचिव चांद मियां सोनू त्रिपाठी अशोक भजवाल प्रदीप राजवंशी बसी उर रहमान मनोज शुक्ला अनीश मंसूरी हारून जागेश्वर पाल संतोष वर्मा नसीम नेता ब्लॉक अध्यक्ष मानसिंह यादव नवजीत यादव अवधेश यादव जिला सचिव डॉक्टर धनपाल यादव महिला सभा अध्यक्ष रामलली वर्मा महासचिव अलका दीक्षित युवजन सभा जिला अध्यक्ष गिरिजा शंकरपाल अल्पसंख्यक अध्यक्ष स ईद अहमद आशुतोष बाजपेई तिलक वर्मा सफीक खा समीउल्लाह अंसारी अशोक बाबू यादव शिव यादव आशुतोष यादव यतेंद्र यादव आदित्य गौतम शराफ्त अली विप्र पटेल प्रधान शुगम कटियार मुकेश त्रिवेदी आशीष दीक्षित सूबेदार सफीक खान अफ्सर अली ने भाग लिया।

दो महिलाओं के पैंडल छिने, एक युवती का मोबाइल गायब

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बे के प्रसिद्ध संकटादेवी मंदिर में असाढ़ के अंतिम सोमवार को आयोजित मेले की भीड़ का फायदा उठाकर दो महिलाओं के मंगलसूत्र का पैंडल निकाल लिया गया ।एक युवती का मोबाइल चोरी हो गया ।घटना की लिखित सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शक के आधार पर एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

प्राप्त विवरण में संकटा देवी मंदिर पर प्रतिवर्ष असाढ़ मास के सोमवार और शुक्रवार को मेले का आयोजन होता है ।जिसमे काफी संख्या में श्रद्धालु देवी मंदिर पहुंचकर प्रसाद आदि चढ़ाकर अपनी मनोकामना पूर्ण करने की विनती करते हैं ।सोमवार को संकटा देवी मंदिर पर इस वर्ष का आखिरी मेला लगा था ।कस्बे के मोहल्ला अल्लाहपुर सैदीखेल निवासी कुसुम पत्नी रामप्रसादएपाली थाना क्षेत्र के ग्राम पहाड़ पुर निवासी छोटी बिटिया पत्नी विवेक भी मेला देखने आई थीं ।भीड़ का फायदा उठा कर एक महिला ने दोनो के मंगलसूत्र का पैंडल नोच लिया ।वहीं मोहल्ला खलील निवासी संजीव मिश्रा की पुत्री शिवानी के हाथ से किसी से एंड्राइड मोबाइल छीन लिया। पीड़ितों की लिखित तहरीर पर पहुंची पुलिस ने शाहजहांपुर जनपद के सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के ग्राम कुतुबापुर निवासी एक महिला आशा देवी पत्नी श्रीपाल को हिरासत में लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

बच्चों के झगड़े के बाद पथराव और फायरिंग, दोनों पक्षों से 4 लोग घायल, खुले मैदान में गोली चलाते दिखे

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पिहानी कोतवाली क्षेत्र के महमूदपुर सरैया गांव में सोमवार को बच्चों का मामूली विवाद बड़ी हिंसा में बदल गया। दो पक्षों के बीच पथराव और मारपीट के साथ फायरिंग भी हुई। फायरिंग किए जाने का वीडियो भी सामने आया है। घटना में मोहम्मद हसन और उनके बेटे जाफर गंभीर रूप से घायल हुए। दूसरे पक्ष से मुन्नू और कदीर को भी चोटें आईं। हमलावरों ने गोलियां चलाने के साथ धारदार हथियारों से भी हमला किया। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें हमलावर घर में घुसकर हमला करते और खुले में गोलियां चलाते दिख रहे हैं। गांव में तनावपूर्ण स्थिति का माहौल है। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी विद्यासागर पाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस वीडियो की जांच कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

चोरी की सात बाइक के साथ पांच शातिर पुलिस ने किए गिरफ्तार

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली पुलिस ने विभिन्न जनपदों से चोरी की गई सात बाइक सहित पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार कर बड़े बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। प्राप्त विवरण में पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम, चोरी, लूट व नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली पुलिस के अनुसार 07 जुलाई को थाना पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान गोलू पुत्र शिवशंकर निवासी ग्राम ढीगुरपुर असलानी थाना रोजा जनपद शाहजहाँपुर, अश्वनी पुत्र भोजराज निवासी नगलीशेख थाना नौगवा शादात जनपद अमरोहा, रोहित कुमार पुत्र प्रेमपाल निवासी ग्राम सैतान सिंह नगला थाना करहल जनपद मैनपुरी, कृष्णा ठाकुर पुत्र परविन्दर निवासी याम नन्दगांव थाना कोतवाली शहर जनपद एटा और सत्यम पुत्र बाबूलाल निवासी ग्राम जनकपुर थाना मेजा जनपद प्रयागराज को जनपद हरदोई व गौतम बुद्ध नगर में घटित विभिन्न चोरियों से संबंधित कुल 07 चोरी की मोटरसाइकिलों सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बाइक चोरों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उनके द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर 17 फरवरी को थाना मझिला क्षेत्रांतर्गत ग्राम पलियादेव से मोटरसाइकिल हीरो स्पेलण्डर प्लस UP 30 BQ 8819 चोरी की गयी, जिसके संबंध में थाना मझिला पर अभियोग पंजीकृत है। थाना क्षेत्र जलालाबाद जनपद शाहजहांपुर से मोटरसाइकिल पैशन प्रो UP 27 P 6770, थाना इकोटेक क्षेत्र जनपद गौतम बुद्ध नगर से मोटरसाइकिल टीवीएस राइडर UP 16 EA 3718, थाना ईकोटेक 3RD जनपद गौतम बुद्ध नगर से मोटरसाइकिल हीरो स्पेलण्डर प्लस UP16 CZ 6227, थाना सूरजपुर क्षेत्र जनपद गौतमबुद्धनगर मोटरसाइकिल बजाज प्लसर UP16 EM 4390, थाना सूरजपुर क्षेत्र जनपद गौतमबुद्धनगर मोटरसाइकिल हीरो स्पेलण्डर प्लस बिना नम्बर प्लेट की व थाना ईकोटेक 3RD जनपद गौतम बुद्ध नगर मोटरसाइकिल हीरो स्पेलण्डर प्लस बिना नम्बर प्लेट की चोरी की गयी हैं। बरामदगी के आधार पर गिरफ्तार चोरों के विरुद्ध थाना पुलिस ने अभियोग पंजीकृत किया। पुलिस ने गिरफ्तार शातिर चोरों को न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर खोली ग्यारह माह पुरानी चोरी की घटना

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली पुलिस ने एक युवक को दो हजार रुपए की नगदी के साथ गिरफ्तार कर कस्बे के मोहल्ला बाजार शम्भा में ग्यारह माह पूर्व हुई चोरी की घटना का खुलासा किया है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने चोर की गिरफ्तारी के लिए पच्चीस हजार रूपए का इनाम घोषित किया था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया है। प्राप्त विवरण में 1 अगस्त 2024 को बेबी पत्नी रामतीर्थ निवासी मोहल्ला बाजार शम्भा द्वारा थाना पुलिस को तहरीर दी गयी कि अज्ञात चोर द्वारा उसके मकान से नगदी, जेवरात, कपडे व कारतूस चोरी कर लिये गये है। इस संबंध में पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की थी। उपनिरीक्षक अनिल कुमार, हरदीप कुमार, राकेश कुमार और पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित प्रकाश में आये मदन कुमार पुत्र दयाशंकर निवासी मोहल्ला खजुरियाबाग कोतवाली शहर जनपद उन्नाव को 2000 रुपये नगदी सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी पर कोतवाली शाहाबाद में पांच मुकदमे पंजीकृत हैं।पुलिस ने गिरफ्तार इनामी चोर को न्यायालय में प्रस्तुत किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पेशाब करने से मना किया तो घर मे घुस कर की मारपीट

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली मल्लावां मोहल्ला कटरा गंगा रामपुर में पेशाब करने पर रोके जाने से दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट मारपीट में पति.पत्नी एवं सास सहित तीन लोग हुए घायल पीड़ित पक्ष ने 112 नंबर पुलिस बुलाकर शिकायत दर्ज कराई जानकारी के अनुसार कस्बा मल्लावां कटरा गंगा रामपुर निवासिनी पूनम देवी पत्नी सुनील कुमार रैदास ने थाना मल्लावा में प्रार्थना पत्र देखकर बताया कि 6 जुलाई 25 समय लगभग रात्रि 10:00 बजे बिजली चली जाने के कारण अधिक गर्मी को देखते हुए मैंने अपना दरवाजा खोला बाहर निकले तो देखा कि मेरे दरवाजे के सामने गुरु कनौजिया पेशाब कर रहे थे पीड़िता ने पेशाब करने से मना किया तो गुरु कनौजिया पुत्र अज्ञात कपिल सूरज एवं सुनीता पत्नी गुरु कनौजिया घर के अंदर घुसकर मुझे एवं मेरे पति सुनील कुमार सास रामदुलारी को लात घुसा एवं डंडों से मारने पीटने लगे जिससे मेरे पति सुनील कुमार के सर में छोटे आई सास के भी छोटे आई हैं पीड़िता ने 112 नंबर पुलिस बुलाकर सूचना दी मौके पर स्थानीय पुलिस भी पहुंची एंबुलेंस से पीड़िता अस्पताल लाई पुलिस ने मेडिकल करवा कर चार लोगों के ऊपर अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू की।

नोटिस निस्बत दिखाने वजह के (नमूना आम)
श्रीमान् उपजिलाधिकारी महोदय बिलग्राम

ता0 पेशी: 16.07.2025 ई0
धारा-116 उ0प्र0रा0स0 2006

व अदालत — मुकाम

मुकदमा नं0- T-202510330305819 — सन् 20 — ई0

श्रीमती भगवती — बनाम — छोटी बिटिया आदि

हरगाह मुशम्मी श्रीमती भगवती मै दरख्वास्त इस अदालत से गुजराई है कि

1. विजय कुमार पुत्र घनश्याम, 2. गुड्डू सिंह पुत्र मुरली सिंह, 3. जितेन्द्र सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, 4. राजकुमार सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, सर्वनिवासीगण- ग्राम सगैचामऊ, परगना-साण्डी, तहसील-बिलग्राम, जिला-हरदोई।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप अदालत या मार्फत किसी वकील जो हालात मुकदमा में बखूबी वाकिफ हो बवक्त 10 बजे बतारीख माह 06 सन् 2025 ई0 इस अदालत में हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ वजह दिखलाईये। अगर आप ऐसा न कर सके तो दरख्वास्त मजबूरन आपके गेर हाजिर में समाप्त हो जायेगी। आज बतारीख 30 माह 06 सन् 2025 ई0 को मेरे दस्तखत और मोहर अदालत में जारी किया गया।

जज

नोटिस निस्बत दिखाने वजह के (नमूना आम)
श्रीमान् उपजिलाधिकारी महोदय बिलग्राम

ता0 पेशी: 16.07.2025 ई0
धारा-116 उ0प्र0रा0स0 2006

व अदालत — मुकाम

मुकदमा नं0- T-202510330305822 — सन् 20 — ई0

श्रीमती भगवती — बनाम — घनश्याम आदि

हरगाह मुशम्मी श्रीमती भगवती मै दरख्वास्त इस अदालत से गुजराई है कि

1. घनश्याम पुत्र नत्थू सिंह, 2. महादेव पुत्र नत्थू सिंह, 3. श्रीमती विद्यावती पत्नी नत्थू सिंह, 4. ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र सुग्रीव सिंह, 5. देवेन्द्र सिंह पुत्र सुग्रीव सिंह, देवेन्द्र सिंह पुत्र सुग्रीव सिंह, 6. जितेन्द्र सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, 7. मुन्ना सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, 8. रवीन्द्र कुमार सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, राजकुमार सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, सर्वनिवासीगण- ग्राम सगैचामऊ, परगना-साण्डी, तहसील-बिलग्राम, जिला-हरदोई।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप अदालत या मार्फत किसी वकील जो हालात मुकदमा में बखूबी वाकिफ हो बवक्त बजे बतारीख माह सन् 20 ई0 इस अदालत में हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ वजह दिखलाईये। अगर आप ऐसा न कर सके तो दरख्वास्त मजबूरन आपके गेर हाजिर में समाप्त हो जायेगी। आज बतारीख माह सन् 20 ई0 को मेरे दस्तखत और मोहर अदालत में जारी किया गया।

जज

नोटिस निस्बत दिखाने वजह के (नमूना आम)
श्रीमान् उपजिलाधिकारी महोदय बिलग्राम

ता0 पेशी: 16.07.2025 ई0
धारा-116 उ0प्र0रा0स0 2006

व अदालत — मुकाम

मुकदमा नं0- T-202510330305817 — सन् 20 — ई0

श्रीमती भगवती — बनाम — गुड्डू सिंह आदि

हरगाह मुशम्मी श्रीमती भगवती मै दरख्वास्त इस अदालत से गुजराई है कि

1. गुड्डू सिंह पुत्र मुरली सिंह, 2. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी मुरली सिंह, 3. विजय कुमार पुत्र घनश्याम, 4. घनश्याम पुत्र नत्थू सिंह, 5. महादेव पुत्र नत्थू सिंह, 6. विद्यावती पत्नी नत्थू सिंह, 7. ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र सुग्रीव सिंह, 8. देवेन्द्र सिंह पुत्र सुग्रीव सिंह, 9. सुमन पत्नी सुग्रीव सिंह, 10. मुन्ना सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, 11. रवीन्द्र कुमार सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, 12. जितेन्द्र सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, 13. राज कुमार सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह, सर्वनिवासीगण- ग्राम सगैचामऊ, परगना-साण्डी, तहसील-बिलग्राम, जिला-हरदोई।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप अदालत या मार्फत किसी वकील जो हालात मुकदमा में बखूबी वाकिफ हो बवक्त बजे बतारीख माह 06 सन् 2025 ई0 इस अदालत में हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ वजह दिखलाईये। अगर आप ऐसा न कर सके तो दरख्वास्त मजबूरन आपके गेर हाजिर में समाप्त हो जायेगी। आज बतारीख 30 माह 06 सन् 2025 ई0 को मेरे दस्तखत और मोहर अदालत में जारी किया गया।

जज

अदृश्य दीवारें

ग्रामीण समाज में अक्सर ऐसी घटनाएं देखने को मिलती हैं, जिसमें बचपन से लेकर जवानी तक साथ-साथ पले-बढ़े भाइयों तक के बीच में किसी बहुत मामूली-सी बात को लेकर अनबन हो जाती है। छोटी-सी बात कब बड़ी बन जाती है, पता ही नहीं चलता। ऐसे में दोनों के बीच जिस तरह बातचीत बंद हो जाती है, वह वक्त कब दिन, महीनों से साल दर साल में बदलता चला जाता है, समझ ही नहीं आता । स्वाभाविक है ऐसे में दोनों परिवारों के बीच में भी बातचीत बंद हो जाती है और आपस में कोई सामाजिक सहभागिता भी नहीं हो पाती। हालांकि, दोनों दूसरे-तीसरे व्यक्ति के माध्यम और तरीके से एक-दूसरे की खबर लेते रहते हैं। एक भाई का परिवार दूसरे भाई के परिवार के दुख के बारे में सुनकर दुखी होता है और सुख के बारे में सुन कर खुश होता है। बावजूद इसके दोनों परिवार के बीच घुलना-मिलना तो दूर बातचीत तक बंद रहती है। ऐसा नहीं है कि दोनों समझौता नहीं चाहते होंगे, लेकिन दिक्कत यह रहती है कि पहले बातचीत शुरू कौन करे। छोटी- सी बात से शुरू हुई यह कहानी अहम का मामला बन जाता है और प्रेम पर भारी पड़ जाता है। दो दोस्तों, दो रिश्तेदारों, परिजनों के बीच अक्सर इस तरह का मामला देखने को मिलता है । शिकायत रहती है कि उसने मुझे पहले फोन नहीं किया । वह मुझे फोन नहीं करता फिर मैं क्यों करूं? छोटी-छोटी शिकवे-शिकायतों का यह सिलसिला लगातार चलता रहता है। फोन हाथ में है और दोस्त को बस लगाना ही तो है । फिर हम अपने आपको बटन दबाने से रोक क्यों लेते हैं? ऐसा नहीं है कि यह मनोभाव एक ही व्यक्ति के मन में उमड़ती -घुमड़ती रहती होगी। सभी इंसान ही हैं। ये ऐसी भावनाएं हैं जो सबके अंदर में आती- जाती हैं। बस उसका बरसना बाकी रह जाता है। ऐसी घटनाएं नकारात्मक तरीके से व्यक्ति के मन में परत-दर-परत जमती जाती हैं और आखिर में ये किसी पहाड़ से भी बड़े स्वरूप का आकार ले लेती हैं। ये कहीं दिखती नहीं है, लेकिन मन में जरूर खड़ी रहती है और कई बार खुन्नस, रंजिश, प्रतिशोध सहित तमाम बुराइयों को जन्म देती है ।

स्वाभाविक है ऐसे में दोनों परिवारों के बीच में भी बातचीत बंद हो जाती है और आपस में कोई सामाजिक सहभागिता भी नहीं हो पाती। हालांकि, दोनों दूसरे-तीसरे व्यक्ति के माध्यम और तरीके से एक-दूसरे की खबर लेते रहते हैं। एक भाई का परिवार दूसरे भाई के परिवार के दुख के बारे में सुनकर दुखी होता है और सुख के बारे में सुन कर खुश होता है। बावजूद इसके दोनों परिवार के बीच घुलना-मिलना तो दूर बातचीत तक बंद रहती है। ऐसा नहीं है कि दोनों समझौता नहीं चाहते होंगे, लेकिन दिक्कत यह रहती है कि पहले बातचीत शुरू कौन करे। छोटी- सी बात से शुरू हुई यह कहानी अहम का मामला बन जाता है और प्रेम पर भारी पड़ जाता है।

कई बार मन के भीतर प्रेम रहते हुए भी लोग इसलिए सख्त व्यवहार करते हैं कि उनका अहंकार उनके वास्तविक भाव पर हावी होता है। वे अपने भीतर बसे या छिपे प्रेम का, भावना का प्रकटीकरण नहीं कर पाते हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों होता है ? लोग मन में बसे अहं के अदृश्य दीवार को गिरा क्यों नहीं पाते हैं ? अपनी भावना को मन के भीतर कैद करने से घुटन तो जरूर होती होगी । फिर लोग इससे निजात क्यों नहीं पाना चाहते हैं ? लोग खुद से क्यों लड़ते रहते हैं ? शायद ऐसे लोग यह सोचते होंगे कि बात होगी तो यह कहूंगा, यह शिकायत भी कर दूंगा और प्रेम की बातें भी प्रकट कर दूंगा, लेकिन जब आमने-सामने आ हैं तो वे तमाम बातें जुबान तक नहीं आ पाती हैं। मन के भीतर ही दबी रह जाती हैं। भावना को सही तरीके से और सही समय पर प्रकट नहीं किए जाने के कारण आज के दौर में अवसाद के कई मामले सामने आ रहे हैं। अस्पतालों के अवसाद विभाग में बढ़ती मरीजों की संख्या इस बात की गवाही देती नजर आती है । कई बार ऐसे लोग मिलते हैं, जो बताते हैं कि मेरे किसी परिजन या रिश्तेदार का निधन हो गया... उनसे 'बहुत स्नेह था ... उनसे मैं बहुत कुछ कहना चाहता था... बचपन में उनके कंधे चढ़ कर खेलता था... उनके साथ उनकी थाली में बैठ कर खाना खा लेता था। लेकिन किसी दिन 'हम बड़ा तो हम बड़ा जैसी एक छोटी-सी बात को लेकर हम लोगों में तकरार बढ़ती गई और हम लोग दूर होते गए। अब मैं भी अधेड़ हो गया हूं और उनका तो निधन ही हो गया । काश वे मुझे एक बार मिलते तो दिल की सारी बातों को खोलकर उनके सामने रख देता, लेकिन अब यह संभव नहीं है। जब तक थे, तब तक कहा नहीं, अब कहना चाहता हूं तो वे हैं नहीं। विडंबना यह है कि ऐसे लोग खुद पहल करके समय को थाम नहीं लेते और बाद में बस अफसोस करते रह जाते हैं ।

बदलने लगे पाकिस्तान के सुर

उठने लगी हाफिज सईद और मसूद अजहर को भारत को सौंपने की मांग

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल का कहना है कि लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद और जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर को संभावित समझौते और सद्भावनापूर्ण रुख के तहत भारत को प्रत्यर्पित करने के बारे में विचार किया जा सकता है। पाकिस्तान हाफिज और मसूद अजहर को भारत को सौंपने के लिए तैयार है, लेकिन जरूरी यह है कि इसके लिए नई दिल्ली का पूरा सहयोग मिले। यहां बिलावल यह दावा करते हुए भी दिखे कि पाकिस्तान के साथ एक व्यापक वार्ता के हिस्से के रूप में, जहां आतंकवाद उन मुद्दों में से एक है जिन पर हम चर्चा करते हैं, मुझे यकीन है कि पाकिस्तान इनमें से किसी भी चीज का विरोध नहीं करेगा।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आतंकवाद को संरक्षण देने में जिस देश का दुनिया भर में नाम बदनाम हो, यदि वह भारत के गुनहगार आतंकियों को भारत को सौंपना स्वीकार कर ले और इस तरह की मांग जनता एवं राजनेताओं के बीच से आने लगे तो समझ लिया जाए कि पाकिस्तान की हालत लगातार बद से बदतर होती जा रही है। सोचनेवाली बात यह है कि अब जब मानसून का दौर चल रहा है, नदियां उफान पर हैं, तब पाकिस्तान में पानी का संकट गहराता दिख रहा है। ऐसे में जब तेज गर्मी का मौसम होगा, तब क्या हालात यहां पैदा होंगे इसका आज सहज अंदाजा ही लगाया जा सकता है। वस्तुतः 22 अप्रैल को जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम में लश्कर से जुड़े आतंकवादियों द्वारा किए गए आतंकी हमले के बाद भारत ने पड़ोसी देश में आतंकी शिविरों को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके बाद ब्रह्मोस की मार से घायल पाकिस्तान को आखिर में 10 मई को भारत के साथ शांति समझौता करने के लिए विवश होना पड़ा था। वहीं, भारत की ओर से पाकिस्तान पर जो प्रतिबंध लगाए गए, वह अब भी निरंतर हैं। ऐसे में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने पाकिस्तान की ओर से विश्वास बहाली के उपाय के रूप में 'जांच के दायरे में आए व्यक्तियों' को भारत को प्रत्यर्पित करने में कोई आपत्ति नहीं होने की बात कही है, वह बहुत ही गौर करने लायक है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल का कहना है कि लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद और जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर को संभावित समझौते और सद्भावनापूर्ण रुख के तहत भारत को प्रत्यर्पित करने के बारे में विचार किया जा सकता है। पाकिस्तान हाफिज और मसूद अजहर को भारत को सौंपने के लिए तैयार है, लेकिन जरूरी यह है कि इसके लिए नई दिल्ली का पूरा सहयोग मिले। यहां बिलावल यह दावा करते हुए भी दिखे कि पाकिस्तान के साथ एक व्यापक वार्ता के हिस्से के रूप में, जहां आतंकवाद उन मुद्दों में से एक है जिन पर हम चर्चा करते हैं, मुझे यकीन है कि पाकिस्तान इनमें से किसी भी चीज का विरोध नहीं करेगा। राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण (नैक्टा) के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को पाकिस्तान ने प्रतिबंधित कर रखा है, जबकि 26/11 मुंबई आतंकी हमले का मुख्य षड्यंत्रकारी हाफिज सईद वर्तमान में आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए 33 साल की सजा काट रहा है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित अजहर को भी नैक्टा ने प्रतिबंधित कर रखा है। पर इन दोनों आतंकियों के बारे में यहां हकीकत क्या है, वह किसी से आज छिपा हुआ नहीं है। कहना होगा कि भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक अजहर का नाम भारत में कई बड़े हमलों से जुड़ा है, जिसमें 2001 का संसद हमला, 26/11 का मुंबई हमला, 2016 का पठानकोट एयरबेस हमला और 2019 का पुलवामा आत्मघाती हमला शामिल है। इसके अलावा भी अन्य कई हमलों में उसका एवं उसके संगठन का नाम सामने आया है, यही कारण रहा कि उसे 2019 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया था। इसके बाद भी पाकिस्तान का इस आतंकवादी पर नर्म रुख लगातार देखने को मिला है। दूसरी ओर भारत का रुख पहले दिन से स्पष्ट है, इसलिए ही पाकिस्तान से उसके संबंध तभी से तनावपूर्ण बने हुए हैं, भारत यह मांग कर रहा है कि सभी आतंकियों पर कठोर कार्रवाई करने के साथ वह उन सभी को भारत कि लिए प्रत्यार्पति करे। इतना होने के बाद भी भारत ने बीच-बीच में हर संभव प्रयास किया कि पाकिस्तान के साथ पड़ोसी धर्म निभाया जाए, वह एक बड़े भाई की भूमिका में भी नजर आया। संबंध सुधारने के लिए हर संभव प्रयास किए गए, यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल के शुरुआती सालों में पाकिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते बनाने की कोशिश करते हुए 25 दिसंबर, 2015 को ही अचानक पाकिस्तान पहुंचने में संकोच नहीं किया, उस दिन वे तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पोती की निकाह में भी शामिल हुए थे। उन्होंने नवाज़ शरीफ को अफगानिस्तानी स्टाइल का गुलाबी साफा भी तोहफ़े में दिया था, जिसे शरीफ पहने हुए भी नजर आए थे। कूटनीति की मेज पर शंति बहाली के प्रयास किए गए, पर हर बार पाकिस्तानी आतंकियों ने भारत के विश्वास को तोड़ा। जिसके बाद भारत सरकार का यह स्पष्ट मत बना है कि वह पाकिस्तान के साथ आगे की कोई भी चर्चा केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर ही करेगा। भारत ने आज पाकिस्तानियों का वीजा रद्द करने के साथ ही अटारी-वाघा सीमा क्रॉसिंग बंद करना, आयात-निर्यात को पूरी तरह से रोकना, अपना हवाई क्षेत्र बंद करने जैसे कई प्रतिबंध आतंकवाद के विरोध में भारत ने पाकिस्तान पर लागू किए हैं। ऐसे में स्वभाविक है कि पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल जो आज कह रहे हैं, वह बहुत अहम हो जाता है, क्योंकि इस बात को अभी एक माह भी नहीं हुआ है, जब उन्होंने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला था। बिलावल भारत को चेतावनी दे रहे थे कि अगर पाकिस्तान का पानी रोकने की कोशिश की गई तो देश के लिए युद्ध ही एकमात्र विकल्प रह जाएगा। यहां तक कि बिलावल के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय पाकिस्तानी संसदीय प्रतिनिधिमंडल भारत के साथ संघर्ष करने की बात कहने के बाद अपने देश का पक्ष रखने के लिए वाशिंगटन, न्यूयॉर्क और लंदन पहुंचा था। यह प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में भारी बेइज्जती के बाद यूरोपीय यूनियन के नेताओं को बरगलाने के लिए ब्रसेल्स भी पहुंचा। जहां अमेरिका की तरह ही यूरोप में कई सांसदों और जिम्मेदार पदाधिकारियों ने पाकिस्तान से आए इस प्रतिनिधिमंडल के समक्ष आतंकवाद का साथ छोड़ने और आतंकवादियों को भारत प्रत्यर्पित करने को कहा था। भारत ने भी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि पाकिस्तान के साथ पानी और खून एक साथ नहीं बहाए जा सकते। भारत ने पहले भी कई बार पाकिस्तान को सिंधु जल संधि की समीक्षा करने का अनुरोध किया था, लेकिन इसे अनसुना कर दिया गया। अब भारत को इस सिंधु जल संधि को सतत बनाए रखने का कोई कारण नजर नहीं आता है। कुल मिलाकर कर बिलावल का दिया हाल का बयान यही दर्शा रहा कि पाकिस्तान की हेकड़ी अब निकल चुकी है, वह अब भारत के सामने घुटनों पर आने को तैयार हो रहा है। निश्चित ही इसे भारत की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जाना चाहिए।

यादों की उड़ान में सिमटती एक विलुप्त होती प्रजाति

सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती है, इनमें नर का वजन आमतौर पर 11 से 15 किलो होता है, जबकि मादा 4 से 7 किलो की ही होती है। इसका जीवनकाल 15 से 20 साल का होता है। अगर ये जंगल में हों तब। इसके लुप्त होते जाने की पारिस्थितिकीय समस्या तो है ही, एक समस्या यह भी है कि यह साल में केवल एक अंडा देती है और उसे भी जमीन पर देती है, जिसे आमतौर पर कुत्तों द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। इसलिए भारत की यह खास चिड़िया जो अनेक किस्सों और रहस्यों को अपने साथ समेटे है, धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर है, जबकि इसके संरक्षण के लिए प्रयास हो रहे हैं। महाराष्ट्र में तो ननाज माळढोक अभ्यारण्य ही है, जो सिर्फ सोन चिरैया के लिए ही समर्पित है, मगर हैरानी की बात यह है कि इस साल के शुरू में ननाज अभ्यारण्य में किये गये सर्वे में कोई भी सोन चिड़िया नहीं मिली।

के.पी. सिंह

वह हमारे गीतों में आती है, किस्सों में आती है, अलंकारों में आती है और प्राचीन भारत के समृद्ध पारिस्थितिकीय इतिहास में आती है। मगर वर्तमान में वह धीरे-धीरे लुप्त होकर अब सिर्फ हमारी यादों और किताबों तक सिमट जायेगी। जी हां, हम सोन चिरैया या सोन चिरिया अथवा ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की ही बात कर रहे हैं, जिसका वैज्ञानिक नाम अर्देवोटिस निग्रिसेप्स है और आईयूसीएन ने इसे अत्यंत संकटग्रस्त प्रजाति के खाने में डाल रखा है। इसे हिंदी में सोन चिरैया, मराठी में माळढोक और राजस्थानी में गोडावण कहते हैं। सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती है, इनमें नर का वजन आमतौर पर 11 से 15 किलो होता है, जबकि मादा 4 से 7 किलो की ही होती है। इसका जीवनकाल 15 से 20 साल का होता है। अगर ये जंगल में हों तब। इसके लुप्त होते जाने की पारिस्थितिकीय समस्या तो है ही, एक समस्या यह भी है कि यह साल में केवल एक अंडा देती है और उसे भी जमीन पर देती है, जिसे आमतौर पर कुत्तों द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। इसलिए भारत की यह खास चिड़िया जो अनेक किस्सों और रहस्यों को अपने साथ समेटे है, धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर है, जबकि इसके संरक्षण के लिए प्रयास हो रहे हैं। महाराष्ट्र में तो ननाज माळढोक अभ्यारण्य ही है, जो सिर्फ सोन चिरैया के लिए ही समर्पित है, मगर हैरानी की बात यह है कि इस साल के शुरू में ननाज अभ्यारण्य में किये गये सर्वे में कोई भी सोन चिड़िया नहीं मिली। जबकि 1979 में स्थापित किया गया यह सोन चिरैया के लिए विशेष अभ्यारण्य महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में स्थित है और इसका क्षेत्रफल 8496 वर्ग किलोमीटर है। यह सोलापुर के ननाज, मांडा, मोहल, कर्नाला और अहमदनगर जिला के कर्जत, श्रीगोंदा और नवाड़ा इलाकों में फैला है। यह इकोरिज्म डेक्कन थॉर्न स्क्रब फॉरेस्ट में आता है, जहां उष्णकटिबंधीय जलवायु और थोड़ी बहुत घास, झाड़ी और विरले पेड़ पाए जाते हैं। वैसे साल 2018 में इनकी अनुमानित संख्या 150 थी। राजस्थान और महाराष्ट्र के अलावा सोन चिरैया गुजरात के कच्छ क्षेत्र में और कर्नाटक व आंध्र प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में भी पायी जाती है। इसके सिर के ऊपरी भाग में एक काली टोपी, ब्लैक कैप होती है। गर्दन स्पष्ट रूप से भूरे रंग की होती है और नर सोन चिरैया में प्रजनन काल के दौरान गले पर पाउच देखा जाता है। इसके बदौलत वह गहरे स्वर के बुलंद नाटीय आवाज निकालते हैं, जो आधा किलोमीटर तक सुनाई देती है। सोन चिरैया सुबह और शाम सक्रिय रहती है। दिन के समय यह सुस्ती में होती है। मानसून के दौरान यह प्रजनन करती है, तब नर मादा को बुलाने के लिए अपने पाउज से आवाज निकालता है। सोन चिरैया अपना घोसला जमीन पर बनाती है और आमतौर एक या कभी-कभी दो अंडे देती है। एक महीने में इसके निषक्रिय बच्चे उड़ान भरने के काबिल हो जाते हैं। नर सोन चिरैया बच्चों की देखभाल में जरा भी रुचि नहीं लेते। मादा ही बच्चों को पालती है। सोन चिरैया के इस तरह लुप्त होने के कगार पर पहुंचने का कारण इनकी कमजोर दृष्टि है, जिस कारण ये बिजली के तारों से फंसकर मारे जाते हैं। अकेले थार मरुस्थल के क्षेत्र में ही 18 से 20 सोन चिरैया हर साल मरी पायी जाती हैं, जो कि इनकी कुल आबादी का 15 से 18 फीसदी होती हैं। क्योंकि इनका आवास घास के मैदानों और खेती के बीच होता था, लेकिन अब घास के मैदान खत्म हो रहे हैं और खेती वाली जगहों पर सड़कें, बिजली के तार और रिन्यूएबल एनर्जी योजना के ढांचे खड़े हो जाने के कारण इनके आवास की समस्या पैदा हो गई है। कुत्ते, लोमड़ियां और शिकारी इनके अंडों की तलाश में रहते हैं। जिस कारण इसके संरक्षण की कई तरह की कोशिशें की गई हैं। मसलन शेड्यूल फर्स्ट के तहत इनके शिकार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है और जैसलमेर के सुधासरी और रामदेवरा में इन्हें कैद करके प्रजनन करवाया जाता है। वर्ष 2025 तक ऐसे 20 बच्चे जन्म ले चुके थे, जिस कारण इनके संरक्षण की टिमटिमाती आस देखी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल बस्टर्ड रिकवरी प्लान 2013 को ध्यान में रखते हुए, इनके इलाकों में बिजली के तारों को जमीन के अंदर से ले जाने के आदेश दिए हैं। साथ ही इनके संरक्षण के लिए साल 2024-25 में 56 करोड़ रुपये भी मंजूर किये गये थे। जबकि इसके पहले यह राशि 33 करोड़ रुपये थी। राजस्थान और गुजरात के संरक्षित इलाकों में सोन चिरैया को बचाये जाने की उम्मीद की जाती है। रामदेवरा में पिछले साल 3 बच्चे जन्मे थे और अलग अलग संरक्षण केंद्रों में भी 3 से 4 बच्चे जन्में थे। कुल मिलाकर सोन चिरैया भारत की एक प्रमुख फ्लैगशिप ग्रास लैंड प्रजाति की चिड़िया है और इसका बचाव न केवल पर्यावरण संतुलन बनाये रखने में मदद करता है बल्कि झाड़ीदार व घास के मैदानों का संरक्षण भी सुनिश्चित करता है। यही कारण है कि संरक्षण की चुनौतियों के बावजूद सरकार, एनजीओ, वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय इनके संरक्षण में लगे हुए हैं। साल 1979 में सोलापुर में जवाहरलाल नेहरू बस्टर्ड सेंचुरी की शुरुआत की गई थी, जिसके लिए 15240 पेड़ काटे गये थे तथा इसके अनुकूल वातावरण बनाया गया था। साल 2008-09 में ननाज अभ्यारण्य में 21 से 22 माळढोक पहुंची। लेकिन मई, 2025 में यहां कोई भी सोन चिरैया या माळढोक नहीं मिली, जो बहुत बड़ी चिंता का विषय था।

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये।

ललित गर्ग

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है। भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राज़ील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज़ है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया। भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरुआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, 'बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है।

भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुधुरवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

जिलाधिकारी की सख्ती के बाबजूद इतने बड़े पैमाने पर अवैध खनन

- गर्रा नदी का सीना चीरकर जमकर हो रहा अवैध खनन, चार जेसीबी और 30 डंफर पूरी रात गरजते हैं नदी में
- तीस एकड़ से अधिक नदी में हो चुका खनन
- खनन माफियाओं ने नदी का सीना चीरकर बना दी एक और गर्रा नदी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर के तेज तर्रार जिलाधिकारी महोदय की सख्त कार्यशैली के बावजूद खनन माफिया गर्रा नदी में काफी बड़े पैमाने पर अवैध खनन कर जहां एक तरफ योगी सरकार को चुनौती दे रहे हैं वहीं बड़े पैमाने पर जनपद के लाखों वाशिंदों को मौत के मुंह में धकेल रहे हैं।हम बात कर रहे जनपद की कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत राईखेड़ा स्थित गर्रा नदी में बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध खनन के बारे में।पिछले कई दिनों से गर्रा नदी में बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध खनन की बातें सामने आ रही थीं । रविवार को राष्ट्रीय प्रस्तावना की टीम मौके पर पहुंची तो नजारा देखकर आंखे चौंधियां गई।लगभग दो सौ बीघा के छेत्र में गर्रा नदी से रेत तथा मिट्टी का खनन किया गया था।मौके पर दस से लेकर पंद्रह फीट तक की गहराई तक बड़ी बड़ी मशीनों से खुदाई कर खनन किया गया था।इतने बड़े क्षेत्रफल में खनन करने का अंदाजा ही लगाया जाए तो कई लाख डंफर रेत और मिट्टी का खनन किया गया है।

दरअसल अजीजीगंज से डैम जाने वाले मार्ग के आगे ग्राम राईखेड़ा पड़ता है।खनन वाले स्थान पर मिले कई ग्रामीणों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि ग्राम राईखेड़ा का हजारों एकड़ एरिया गर्रा नदी में आता है।चुकी गांव नदी के किनारे स्थित है तो ग्रामीण अपने निजी कार्य के लिए रेत नदी से भरते रहते हैं। यहीं से शुरू हुआ अवैध खनन का खेल।ग्रामीणों के मुताबिक विगत आठ नौ महीने से चार जेसीबी मशीनों से पूरी रात गर्रा नदी में खुदाई होती है और बड़े बड़े डंफर में भरकर जनपद के अलावा देहात छेत्र में सप्लाई किया जाता है।

मौके पर लगभग सौ बीघा से अधिक गर्रा नदी को मशीनों से दस से पंद्रह फीट की गहराई तक खोदकर खनन किया गया है।रोड से लगभग दो किलोमीटर दूर गर्रा नदी से इस कदर खुदाई की गई है कि जिधर नजर घुमाओ उधर काफी बड़े बड़े गड्ढे ही नजर आते है।मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि इस कार्य में ग्राम प्रधान की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है साथ ही दिन में कई बड़े लोगों की गाड़िया आती रहती हैं और रात में मशीनों से खुदाई कार्य शुरू हो जाता है।

राजस्व को करोड़ों का चूना,मजे काट रहे तथाकथित नेता

सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार इस बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध खनन के कार्य में जनपद के कुछ तथाकथित नेता शामिल हैं साथ ही ग्राम राई खेड़ा और पड़ोसी गांव का एक और व्यक्ति शामिल है।बताया जाता है पड़ोसी गांव वाले ने तो अवैध खनन की कमाई से अपनी खुद की जेसीबी मशीन और डांफर भी खरीद लिया है। एक रात में ही हो जाता करोड़ों का खेल।ग्रामवासियों के मुताबिक एक ट्रक वालू या मिक्स मिट्टी साढ़े चार हजार से पांच हजार में खुलेआम बिक जाती है।एक रात में करीब सौ से अधिक डांगर,ट्रक वालू और मिट्टी की खुदाई हो ही जाती है।इसमें लगभग चार करोड़ से पांच करोड़ का खनन एक ही रात में हो जाता है। जानकारी के मुताबिक इस पूरे सिंडीगेट में आधा दर्जन लोग शामिल हैं जिसमें एक सत्ता पक्ष के छुटभैये नेता भी शामिल है।

पिछले वर्ष आई बाढ़ भी अवैध खनन की वजह से आई

दरअसल ग्राम राईखेड़ा अजीजगंज डैम से दो किलोमीटर आगे है।चूंकि अवैध खनन की वजह से गर्रा नदी अपना मूल रास्ता छोड़कर डैम से पहले ही सड़क तोड़कर पोस्टमार्टम हाउस के सामने से होकर ग्राम अजीजगंज,साउथ सिटी,कांशीराम कालोनी,ग्राम नवादा आदि मोहल्लों में गर्रा नदी का बाढ़ का पानी आ गया।इस बार स्थिति और ज्यादा खतरनाक होने वाली है।यदि पिछली वर्ष की तरह इस वर्ष भी गर्रा नदी में बाढ़ आती है तो पिछले वर्ष की तुलना में काफी ज्यादा बड़ा नुकसान होगा।क्योंकि इस बार जिस तरह से अवैध खनन किया जा रहा है उससे गर्रा नदी का रुख पुल की तरफ ना होकर डैम तथा डैम के पश्चिम दिशा से होकर पिछले वर्ष की भांति इन्हीं मोहल्लों में त्रासदी फैलाएगा।इधर एडीएम वित्त अरविन्द कुमार सिंह ने बताया कि एक ठेकेदार ने एक नम्बर की परमीशन करवाई है।अब यदि वह परमीशन से अधिक खनन कर रहा है तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

दो घरों में नकब लगाकर 10 लाख की चोरी, दो घरों में नकब लगाने की कोशिश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में जिले में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नही ले रही है पुलिस की निष्क्रियता के चलते जिले चोरियां लगातार हो रही । यहां दो थाना क्षेत्रो में कोटेदार समेत तीन मकानों को चोरो निशाना बनाया। हजारो रुपये की नकदी और लाखो रुपये का जेवर चोर ले उड़े। खास बात ये है कि चोर एक मकान के किचन में रखा देसी घी का डिब्बा ले गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। एक घटना पुलिस को संदिग्ध लग रही है ।जबकि दूसरी घटना में पुलिस जांच कर रही है। थाना सेहरामऊ दक्षिणी और थाना खुटार क्षेत्र की घटना है। थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के भरगवा गांव के रहने वाले पातिरात परिवार के साथ शनिवार की रात खाना खाने के बाद कमरे के बाहर सो गए थे। रात में चोरो ने मकान के पीछे दीवार में नकब लगा दी। उसके बाद चोर कमरे में घुस गए और कमरे में रखा सारा सामान खेत में ले आए। जहां चोरो ने बक्सा और कपड़े खंगाले। पातिरात की बेटी दिल्ली में रहती है। उसका भी जेवर पातिरात के पास रखा था। उनका आरोप है कि करीब 15 हजार रुपये की नकदी और करीब दो लाख रुपये का जेवर चोरी हुआ है। किचध में रखा देसी घी का डिब्बा चोर ले गए। उनके पड़ोस में भी चोरो ने एक मकान में नकब लगाई लेकिन चोरी करने में कामयाब नही हो पाए। इसी गांव में रहने वाले फिरोज भी परिवार के साथ सो रहे थे। उनके मकान में भी चोरी की गई। उन्होने बताया कि करीब पांच हजार रुपये की नकदी और करीब आठ लाख रुपये का जेवर चोरी हो गया। रात में फ्रिज में पानी बोतल लेने गए तो चोरी की जानकारी हुई। उनके पड़ोस में एक मकान में नकब लगाई लेकिन चोरी नही कर पाए। सेहरामऊ दक्षिणी थाना प्रभारी ने कहा कि जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता ने सिद्धपीठ मां चन्द्रिका देवी मंदिर में पूजा अर्चना कर टेका मत्था

उन्नाव। लखनऊ के भाजपा नेता व समाजसेवी अविचल शुक्ला ने रविवार को बक्सर के चन्द्रिका माता मंदिर में जन सैलाब के साथ दर्शन किए उनके इस जन सैलाब व समर्थकों की भीड़ देखकर स्थानीय जनता द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी प्रतिभागिता के कयास लगाए जा रहे है। रविवार को सबसे पहले अपने समर्थको के साथ बक्सर स्थित सिद्धपीठ मां चंद्रिका देवी मंदिर पहुंचकर मत्था टेक कर माता चन्द्रिका देवी मंदिर में लाला पंडा द्वारा विधिवत पूजा पाठ किया। तत्पश्चात अविचल शुक्ला ने मंदिर प्रांगड़ में झाड़ू लगाई, साथ ही क्षेत्रीय सम्मानित लोगो से मुलाकात की व क्षेत्र के संभ्रात लोगो के साथ बैठक की। इस दौरान भाजपा नेता अविचल शुक्ला का कई जगह स्थानीय लोगो ने फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

पाइपलाइन फटने का जल निगम ने समय रहते किया समाधान

शुक्लागंज(उन्नाव)। फोरलेन स्थित गाजी खेड़ा के सामने यह पाइपलाइन पूर्व में हुई टेस्टिंग के दौरान ही फट गई थी। तब से लगातार पानी बह रहा था, जिसकी सूचना तत्काल जल निगम विभाग को दी गई थी। शिकायत मिलने के बाद विभाग ने मामले का संज्ञान लिया और सोमवार को मरम्मत कार्य के लिए अपनी टीम मौके पर भेजी। जल निगम के कर्मचारियों ने गाजी खेड़ा मोहल्ले के सामने क्षतिग्रस्त स्थान पर पहुंचकर खुदाई का काम शुरू किया। घंटों की मशक्कत के बाद फटी हुई पाइपलाइन का पता लगाया गया और उसकी मरम्मत का कार्य आरंभ किया गया। मरम्मत कार्य संपन्न होने के बाद अब पाइपलाइन से पानी का रिसाव बंद हो गया है, जिससे क्षेत्र में पानी की बर्बादी रुकेगी और पेयजल आपूर्ति सुचारु रूप से जारी रह सकेगी। इस मरम्मत कार्य से स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है, क्योंकि फटी पाइपलाइन से न केवल पानी बर्बाद हो रहा था, बल्कि सड़कों पर भी जलभराव की स्थिति बन रही थी। जल निगम ने समय रहते इस समस्या का समाधान कर दिया है।

संचारी रोगों पर नियंत्रण पाने के लिए चलाया गया सफाई अभियान

शुक्लागंज(उन्नाव)। संचारी रोगों पर नियंत्रण पाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार को पालिका प्रशासन ने वार्ड नंबर सात ऋषि नगर मोहल्ले में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया। इस दौरान सफाई कर्मियों की एक बड़ी टीम ने क्षेत्र में गहन स्वच्छता कार्य किया, जिसमें नालियों की सफाई और सिल्ट हटाने का काम प्रमुख रहा। शाम होते ही मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पूरे मोहल्ले में फॉगिंग भी कराई गई। यह अभियान शासन के निर्देश पर 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, सातवें दिन सोमवार को पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और ईओ मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर एसबीएम प्रभारी अनूप शुक्ला की देखरेख में सफाई कर्मियों का दल ऋषि नगर पहुंचा। कर्मचारियों ने सड़कों की झाड़ू लगाने के साथ ही नालियों को साफ किया और उनमें एंटी-लार्वा दवा व चूने का छिड़काव किया।

स्कूल चलो अभियान के तहत अध्यापकों व बच्चों ने रैली निकाली

पपरेन्दा/बांदा। संकुल के समस्त जूनियर व प्राइमरी स्कूलों में स्कूल चलो अभियान चलाया गया बच्चे व अध्यापको द्वारा गांव में घर घर जा कर अभिभावको से संपर्क किया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय कन्या चिल्ला क्षेत्र तिन्दवारी बांदा की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका मीरा देवी,माधुरी पांडेय,सुहैल ,पूर्व माध्यमिक विद्यालय पदारथपुर इंचार्ज प्रधानाध्यापक रामसुफल कश्यप,पूर्व माध्यमिक विद्यालय कंपोजिट चकला इंचार्ज प्रधानाध्यापक धीरेन्द्र कुमार गुप्ता,पूर्व माध्यमिक विद्यालय कंपोजिट सादीमदनपुर इंचार्ज प्रधानाध्यापक संभ्रांत स्वरूप साहू ,पूर्व माध्यमिक विद्यालय शादीपुर इंचार्ज प्रधानाध्यापक जितेन्द्र पटेल एवं प्राथमिक विद्यालय चिल्ला 2 क्षेत्र तिन्दवारी बांदा की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अर्चना देवी,प्रभा देवी,ऋचा गुप्ता,रेखा देवी, प्राथमिक विद्यालय चिल्ला 1 गीता देवी, प्राथमिक विद्यालय सादीमदनपुर 1 प्रधानाध्यापक इंद्रजीत निषाद, प्राथमिक विद्यालय क्योटरा चिल्ला प्रधानाध्यापक,कमलेश कुमार प्राथमिक विद्यालय शादीपुर प्रधानाध्यापक अभय कुमार साहू, प्राथमिक विद्यालय पदारथपुर प्रधानाध्यापक रामविजय अवस्थी ,अपने अपने गांवो में स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकला।

जनपद कौशांबी में 368 स्थानों से निकली ताजिया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। मोहर्रम पर्व पर जनपद कौशाम्बी मैं मैं 368 स्थान से ताजिया निकाली गयी जबकि तीन गांव में ताजिया नही निकाली गयी। इस दौरान संवेदनशील स्थानों पर पुलिस प्रशासन द्वारा ड्रोन कैमरे से निगरानी की गयी तथा भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रही।

जनपद के कशिया, चिकवन का पुरवा व शेरगढ़ के अकीदतमंदों ने ताजिया नही निकाली गयी। उक्त तीनों गांव में 50 से 55 फुट की ऊंचाई तक की ताजिया बनाकर निकाली जाती रही जिसमें ताजिया निकालने के पूर्व ताजिया के रास्ते के बिजली के तार हटाये जाते थे लेकिन 2019 से तार हटाने पर रोक लग जाने से उक्त तीनों गांव की ताजिया नही निकाली जाती। यहां केवल मातम कर कर्बला में फूल दफन किया गया।

बांदा सतना मार्ग पर सड़क पे गड्ढे

बड़ोखर बुजुर्ग/बांदा। जहां सूबे के मुखिया द्वारा सख्त निर्देश दिए गए हैं कि सड़कों में गड्ढे न रहे और गड्ढे मुक्त सड़क होना चाहिए लेकिन यहां तो साहब गड्ढे युक्त सड़क है और यही नहीं ये बांदा सतना मार्ग है जो कि एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश को ये मार्ग मिलाता है। मुख्यालय से 15 किलो मीटर की दूरी पर बड़ोखर बुजुर्ग,पैगंबरपुर और गिरवा के मेन चौराहे पर भारी भरकम गड्ढे बने हुए जिसके चलते कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों ने राहगीरों और यात्रियों को दुर्घटना से बचने के लिए सड़क पर बन गड्ढे में बड़ोखर बुजुर्ग में बीच रोड पर कुर्सी रख दी है और कहा है पहली बात तो इस गड्ढे से किसी भी यात्री को अपनी जान जोखिम में नहीं डालना होगा और दूसरी बात यह है कि जिम्मेदार विभाग के बड़े अधिकारी और नेता आकर देखें और इस कुर्सी में बैठ जाए और उनको फूल माला से स्वागत किया जायेगा क्योंकि जिम्मेदार लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं और केवल अपना राजस्व जेब में भरते हैं।

एनएचए आई द्वारा श्रीराम विश्राम स्थल व दूरी गलत दर्शाने से भ्रमित हो रहे लोग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। राम वन गमन मार्ग का निर्णाण एन एच ए आई कंपनी द्वारा जनपद कौशाम्बी में कराया जा रहा है जिसमें भगवान राम के रात्रि विश्राम स्थल व दूरी का सांकेतिक चिन्ह गलत दर्शाने से लोग भ्रमित हो रहे हैं। गौरतलब हो कि त्रेता युग में वनवास काल के दौरान अयोध्या नगरी से जनपद प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर गंगा घाट से जनपद कौशाम्बी होते हुए चित्रकूट पहुंचे थे इस दौरान रात्रि विश्राम चरवा में किये थे जहां जूठन तालाब के नाम से आज भी तालाब स्थित है। किवदंती है कि रात्रि विश्राम के दौरान यहां राम की खड़ाऊ चोरी हुई थी जिससे चोरवा नाम परिवर्तित होकर चरवा नाम हो गया तथा उस समय इसी जूठन तालाब का जल ग्रहण किये थे जिससे तालाब का नाम जूठन तालाब हो गया। इस राम वन गमन मार्ग पर नगर पालिका परिषद भरवारी स्थित असवां स्थल है जहां से चरवा की दूरी 16 किमी.की है लेकिन एन एच ए आई कम्पनी द्वारा असवां तिराहे के पास चरवा का गलत नाम जरवा व दूरी 16 किमी. की जगह 2 किमी. का सांकेतिक बोर्ड लगाया गया है जिससे लोग भ्रमित हो रहे हैं। उक्त सम्बंध में भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य का कहना है कि इसे तत्काल सही कराया जायेगा।

एक पेड माँ के नाम की थीम पर वृक्षारोपण किया जाए: डीएम

- डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समीक्षा बैठक
- 9 जुलाई को होगा वृहद वृक्षारोपण का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सोमवार को जिलाधिकारी बाँदा श्रीमती जे. रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टेझट सभागार में 09 जुलाई, 2025 को बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किये जाने हेतु बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि एक पेड माँ के नाम की थीम पर वृक्षारोपण किया जाए और सम्बन्धित विभाग अपने लक्ष्य के अनुसार वृक्षारोपण करें तथा पौध वन विभाग से इन्डेन्ट भरकर प्राप्त कर लें। उन्होंने कहा कि एक ही प्रजाति के पौध सड़क किनारे लगाये जायें। नदियों के किनारे कैचमेन्ट जल क्षेत्र में ही वृक्षारोपण किया जाए तथा तालाबों के किनारे भी वृक्षारोपण किया जाए। बृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम दुरेड़ी में आयोजित किया जायेगा। वृक्षारोपण के अन्तर्गत जिला वनाधिकारी ने बताया कि आठ वन क्षेत्र की भी स्थापना भी वृक्षारोपण कर किया जायेगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना एवं जीरो पावर्टी वाले लाभार्थियों को दो-दो सहजन के वृक्ष वृक्षारोपण हेतु उपलब्ध कराये जायेंगे। इसके साथ ही समूह की महिलाओं को भी वृक्षारोपण हेतु वृक्ष उपलब्ध कराये जायेंगे। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी वृक्षारोपण हेतु वृक्षों की प्राप्ति समय से कर लें, इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न करें।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी सम्बन्धित अधिकारी वृक्षारोपण के उपरान्त फोटोग्राफ सहित मेरी लाइफ पोर्टल पर सूचना अपलोड करेंगे। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी एक-एक वृक्ष का रोपण करते हुए फोटो भेजें। उन्होंने निर्देश दिये कि सम्बन्धित नोडल अधिकारी वृक्षों को जीवित रखने हेतु आवश्यक व्यवस्थायें भी सुनिश्चित करें।

शिक्षक के स्थानांतरण होने पर ग्रामीण छात्रों ने दी भावभीनी विदाई

बबेरू/बांदा। बबेरू तहसील क्षेत्र विकासखंड कमासिन अंतर्गत ग्राम पंचायत कुचौली के उच्च प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट क्षेत्र कमासिन का है। जहां पर 7 वर्षों से अपनी सेवा दे रहे शिक्षक योगेश्वर चतुर्वेदी का स्थानांतरण चित्रकूट के विकासखंड मानिकपुर के लक्ष्मणपुर गांव में शासनादेश द्वारा हो गया। जैसे ही गांव वालों को इस बात की खबर चली कि हमारे गांव में तैनात शिक्षक का दूसरी जगह स्थानांतरण हो गया है। तो पूरा गांव स्तब्ध हो गया क्योंकि उनके द्वारा जो बच्चों में शिक्षा के माध्यम से एक अनुशासनात्मक की भावना के साथ-साथ बच्चों को इतना प्यार दुलार देकर उन्होंने शिक्षा की नई ज्योति जलाई यहां तक की ग्रामीणों ने बताया कि वह गांव में जाकर घर-घर सभी छात्र/छात्राओं को एवं उनके अभिभावकों को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करना एक अच्छे शिक्षक की भावना प्रकट करता है। विदाई के समय विद्यालय को फूल गुब्बारों से सजाया गया, एवं बच्चों के द्वारा सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा सरस्वती मां की वंदना एवं विदाई गीत गाकर अपने गुरू जी को नम आंखों से विदा किया।

मेधावी छात्र-छात्राओं को मेधा सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बबेरू/बांदा। बबेरू तहसील क्षेत्र अंतर्गत विकासखंड कमासिन के खरौली गांव पर सोमवार को मां दुर्गा बाल विद्या मंदिर खरौली में मेधा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व विधायक चंद्रपाल कुशवाहा एवं कमासिन मंडल अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र ने सरस्वती मां पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज उत्तर प्रदेश के हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में विद्यालय की छात्रा गोमती देवी 87: प्रतिशत, पाकर प्रथम स्थान एवं पूर्णिमा देवी 85: प्रतिशत पर द्वितीय स्थान, तथा श्रुति सिंह 79:प्रतिशत लेकर तृतीय, स्थान पाकर अपने विद्यालय तथा अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जिसमें आज विद्यालय परिवार के द्वारा छात्राओं का उत्साह वर्धन करने के लिए विद्यालय में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पाने वाली छात्रा गोमती देवी को साइकिल एवं नगद पुरस्कार तथा द्वितीय स्थान पाने वाली छात्रा पूर्णिमा देवी को 6 कुर्सियों का सेट व मेज एवं नगद पुरस्कार तथा तृतीय स्थान पाने वाली छात्रा कुमारी श्रुति सिंह को कुर्सी तथा मेज का सेट देकर सम्मान किया गया। इसी प्रकार अन्य छात्र/छात्राओं को अच्छे नंबर पाने वालों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में दीवाल घड़ी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता श्री राम द्विवेदी, योगेंद्र विश्वकर्मा ग्राम पंचायत सचिव, ऊधौ सिंह परिहार वरिष्ठ भाजपा नेता, मर्का मंडल अध्यक्ष दिनेश निषाद, ज्ञान सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य संजय सिंह, अखिलेश सिंह, प्रधानाध्यापक श्री एसकेजे पब्लिक शिव भवन ,शिक्षक राहुल सिंह, शिवानंद सिंह, शिक्षिका कुमारी चांदनी, श्रीमती श्रीदेवी, एवं सभी छात्राओं के अभिभावक गण मौजूद रहे।

एआरटीओ प्रवर्तन ने किया वृक्षारोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण को संतुलित व संरक्षित रखने का संदेश

पुरवा-उन्नाव। परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान के तहत एआरटीओ प्रवर्तन ने स्थानीय कालेज में पौधरोपण कर पर्यावरण को संतुलित एवं संरक्षित रखने का संदेश दिया। स्थानीय ऋषिकुल विद्यापीठ इण्टर कालेज में एआरटीओ प्रवर्तन प्रथम संजीव कुमार सिंह ने शीशम, अमरूद, आम आदि फलदार व छायादार पौधों का रोपण विद्यालय परिसर में किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए अधिक से अधिक पौधों को लगाया जाए और उनकी सुरक्षा भी की जाए। साथ ही उन्होंने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के अनुपालन हेतु प्रेरित किया। इस दौरान समाजसेवी स्वयंवर राजपूत, कालेज के प्रधानाचार्य अवलेश सिंह, कमलेश बाबू समेत छात्र उपस्थित रहे।

नए ट्रांसफार्मर लगाने के चलते विद्युत आपूर्ति बाधित

शुक्लागंज(उन्नाव)। नगर में ओवरलोड के कारण ट्रांसफार्मर फुंकने की बढ़ती समस्या को देखते हुए, बिजली विभाग ने मई माह में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने का काम शुरू किया था। इसी क्रम में, गर्मी के बीच बिजली आपूर्ति की क्षमता बढ़ाने के लिए सोमवार को ब्रह्मनगर और श्रीनगर में 100 केवीए और 250 केवीए के दो नए ट्रांसफार्मर लगाए गए। शाम करीब पांच बजे ट्रांसफार्मर लाए गए और उन्हें स्थापित करने के लिए शाम सात बजे तक इन क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति रोक दी गई। इससे सैकड़ों परिवारों को अंधेरे में रहना पड़ा। इसके अतिरिक्त, सुबह के समय फीडर 4 में हुए ब्रेकडाउन के कारण लगभग दो घंटे तक हजारों लोगों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा, जिससे उनकी दैनिक दिनचर्या प्रभावित हुई। विभाग का कहना है कि यह कार्य बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक था, ताकि भविष्य में होने वाली बिजली कटौती से बचा जा सके।

सीता जी के समापन स्थल पर स्लॉटर हाउस होना अपमान: शैवाचार्य प्रशांत प्रभु

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। शैवाचार्य प्रशांत प्रभु महाराज ने रविवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान उन्नाव समेत प्रदेश की सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक व्यवस्था पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि वह हाल ही में उन्नाव, पीलीभीत और अन्य जिलों के भ्रमण पर थे, जहां आम जनता में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति भारी नाराजगी देखने को मिली। प्रशांत प्रभु महाराज ने पीलीभीत का उल्लेख करते हुए कहा कि ह्लअब हालात ऐसे हो गए हैं कि वहां बीजेपी विधायकों तक की पुलिस थानों में कोई सुनवाई नहीं हो रही। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। उन्नाव को लेकर उन्होंने सबसे गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि ह्लयह वही भूमि है जहां सीता जी का समापन स्थल माना जाता है। ऐसे पवित्र स्थान पर स्लॉटर हाउस का संचालन न केवल धार्मिक भावनाओं का घोर अपमान है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को भी कलंकित करता है। उन्होंने जिले में प्रदूषित जल की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया। शैवाचार्य के अनुसार इंडरगो फैक्ट्री से लेकर मसवासी तक के क्षेत्रों में जहरीला पानी सप्लाई हो रहा है, जिससे आमजन स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है। हर घर में दूषित जल पहुंच रहा है, जिससे जलजनित बीमारियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन प्रशासन मौन है,ङ्क उन्होंने कहा। जनप्रतिनिधियों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि ह्लअगर वे वास्तव में जनता के सेवक हैं, तो उन्हें इन समस्याओं पर तुरंत विचार करना होगा। वरना आने वाले चुनाव में लोग नोटा दबाकर 'हर हर महादेव' का नारा लगा सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपनों की आलोचना कर रहे हैं, ताकि वे सुधार की दिशा में कदम उठाएं। ह्लअपनों को झकझोरना ही असली सेवा है, उन्होंने कहा।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी डंडे, छह लोगों पर शांति भंग की कार्यवाही

बांगरमऊ(उन्नाव)। पड़ोसियों के बीच पनपे विवाद निपटारे के दौरान वर्तमान चेयरमैन व चेयरमैन उम्मीदवारी के दावेदार दो पक्षों के बीच जमकर लात घूंसा,ईंट पत्थर व लाठी डंडे चल गए इस घटना में कई लोगों को चोट आई है दोनो पक्ष पुलिस की चौखट पहुंच चुके है ।दोनो पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने दोनों पक्षों से 6 लोगों पर शांतिभंग की कार्यवाही की गई है कहा जा रहा है कस्बा गंजमुरादाबाद के मोहल्ला कसैटा में एक हैडपंप पर एक नागरिक छोटे कपड़ों में नहाता है जिसपर पड़ोसी घर की महिलाओ को एतराज है जिससे दो लोगो के बीच तनाव उत्पन्न हो गया सोमवार को वर्तमान चेयरमैन प्रतिनिधि एक पक्ष से मामले के प्रति निपटारा करने गए हुए थे इसी दौरान दूसरे पक्ष से चेयरमैन पद उम्मीदवारी के दावेदार भी पहुंच गए इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच वार्तालाप के दौरान तनातनी होने लगी तथा देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई तथा जमकर लात घूंसा व ईंट पत्थर चलने लगे। इस घटना में कुछ लोगो को चोट भी आई है।

डीएम ने ली जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति व मिशन समिति की बैठक, दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को लेकर प्रशासन द्वारा गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति तथा जिला मिशन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि व जल संरक्षण योजनाएं समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से पूरी हों। उन्होंने कहा कि यह प्रयास न सिर्फ पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी हैं, बल्कि कृषक आय वृद्धि और जल संकट से निपटने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। डीएम ने ग्राम स्तर पर जागरूकता बढ़ाने और स्थानीय जरूरतों के अनुसार योजनाओं की प्राथमिकता तय करने पर भी बल दिया। भूमि संरक्षण अधिकारी बी.एन. उपाध्याय ने गत वर्ष की बैठक की कार्यवृत्ति समिति के समक्ष प्रस्तुत की। इसके बाद उन्होंने जनपद में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बताया कि जनपद में कार्यरत भूमि संरक्षण की दो इकाइयों द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना, खेत तालाब योजना, वर्षा सिंचित क्षेत्र टइघ योजना व मनरेगा के अंतर्गत विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं। बैठक में खेत तालाब योजना के तहत 50 तालाबों के निर्माण हेतु ?26.25 लाख का अनुदान प्रस्तावित किया गया। वहीं टइघ योजना के अंतर्गत 94.50 हेक्टेयर भूमि पर कार्य हेतु ?50.40 लाख की वित्तीय व्यवस्था प्रस्तावित की गई। इसके अतिरिक्त, मनरेगा योजना के माध्यम से 389.40 हेक्टेयर क्षेत्र में जल संरक्षण संबंधी कार्य प्रस्तावित हैं। इन सभी कार्यों को कराए जाने हेतु डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अनुमोदन प्रदान किया। बैठक में उप कृषि निदेशक गिरीश चन्द्र, भूमि संरक्षण अधिकारी (गोमती) सुभाष चन्द्र, भूमि संरक्षण अधिकारी (जिला योजना) बी.एन. उपाध्याय, नामित विभागीय अधिकारी व प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 1 जुलाई से 30 सितम्बर तक, लोगों से की गई सहभागिता की अपील

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार पूरे देश में 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष से0 माऊज बिन आसिम के निर्देशानुसार जिले में भी व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, वीरेंद्र नाथ पाण्डेय ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य दीवानी मामलों का त्वरित, सौहार्दपूर्ण और सुलभ निस्तारण सुनिश्चित करना है। वैवाहिक विवाद, सड़क दुर्घटना क्षतिपूर्ति, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक मामले, सेवा विवाद, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण जैसे कई मामलों को आपसी सुलह से सुलझाया जाएगा।

नम आंखों से कर्बला में दफन किए गए ताजिए

- हैदराबाद व नीमगांव पुलिस की मौजूदगी मे शकुशल दफन किये गये रायपुर व कोटवारा गांव के ताजिये

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। रायपुर व कोटबारा गांव मे रात भर चौक पर ताजिए को रखने के बाद सोमवार को नम आंखों से कर्बला में ताजिए दफन किए गए पूरी रात और दिन भर मजलिसों मातम का सिलसिला जारी रहा लोगों ने नजरों नियम दिलाई और हुसैन के नाम पर डांगर माता सों से इमाम हुसैन की अजीम कुर्बानी को याद किया गया। वही मोहर्रम में हैदराबाद व नीमगांव थाने व हैदराबाद थाने की पुलिस सुरक्षा में मुस्तैद रही। मोहर्रम के मौके पर रायपुर मे विलहरी,सिकंदराबाद, घुन्सी, पकरिया, व कोटबारा मे कपरहा,घरथनिया,सकेथू, जडौरा आदि स्थानों पर ताजियादारो की अगुवाई मे गमगीन माहौल मे ताजियो के जुलूस निकाले गए। वही शाम के वक्त सभी स्थानों के ताजिये गमगीन माहौल भारी पुलिस की मौजुदगी मे करबला मे ताजिए दफन किये गए। इस दौरान हैदराबाद की चौकी ढखवा,चौकी इंचार्ज विनोद कुमार पाण्डेय व आरक्षी शिवेन्द्र सिंह व कोटवारा ग्राम प्रधान सुशील वर्मा, समाजसेवी विमलेश मिश्र व सिकंदराबाद चौकी इंचार्ज आशीष शेरावत व ग्राम प्रधान प्रतिनिध रायपुर सलीम अंसारी की अगुवाई मे सकुशल ताजिया मेला संपन्न कराया गया।

संकीर्तन मे खाटू श्याम के भजनों से रहा गुंजायमान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर के समीप कंजा देव स्थान देवशयनी एकादशी के उपलक्ष्य पर कंजा देव स्थान खाटू श्याम मंदिर के प्रांगण में संकीर्तन का आयोजन किया गया। मंदिर प्रांगण श्रद्धालुओं से भरा हुआ रहा। खाटू नरेश के जयकारों से मंदिर प्रांगण गूंजायन हो गया। रात्रि 8 बजे से बाबा का संकीर्तन शुरू किया गया। मधुर आवाज से बाबा की महिमा का गुणगान किया गया। बाबा श्याम को सुंदर सुंदर भजनों से रिझाया और भक्तों के अपने भजनों पर थिरकने पर मजबूर कर दिया ! सुंदर भजनों में , पकड़ लो हाथ बनवारी नही तो डूब जाएंगे, ओ सांवरे मुझे तेरी जरूरत है,श्याम नाम की कमाई मेरे काम आ रही है, भजन गाया तो श्याम की भक्ति में सराबोर होकर झूम उठी। संकीर्तन में श्याम भक्तों से मंदिर प्रांगण पुरुष महिलाओं बच्चों से काफी श्रद्धालु संकीर्तन में हुए सम्मिलित। श्री खाटू श्याम बाबा के मंदिर प्रांगण श्रद्धालुओं से पूरा भरा हुआ था। पुराणों के अनुसार भगवान विष्णु ने वामन अवतार में राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी थी भगवान ने पहले पग में पूरी पृथ्वी, आकाश और सभी दिशाओं को ढक लिया अगले पग में स्वर्ग लोक ले लिया तीसरा पग बलि ने अपने आप को समर्पित करते हुए सिर पर रखने को कहा इस तरह दान से प्रसन्न होकर भगवान ने बलि को पाताल लोक का राजा बना दिया और वर मांगने को कहा बलि ने वर मांगते हुए कहा कि भगवान आप मेरे महल में निवास करें तब भगवान ने बलि की भक्ति देखते हुए चार महीने तक उसके महल में रहने का वरदान दिया तब से धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी से देवप्रबोधिनी एकादशी तक पाताल में बलि के महल में निवास करते हैं संकीर्तन का समापन श्री खाटू श्याम बाबा की आरती करके मंदिर में पुजारी जी ने भक्तों को श्याम बाबा का दिया आशीर्वाद तत्पश्चात श्रद्धालुओं ने पंक्ति में रखें प्रसाद किया ग्रहण। इस अवसर पर अनिल जलोटा,दीपक राजपूत, अजय गुप्ता,सुधीर गुप्ता,मोहित गुप्ता, शिवम गुप्ता, संदीप राजपूत,अभिषेक राजपूत, आयुष गुप्ता, प्रमोद सोनी,मयंक महेश्वरी, नवनीत श्रीवास्तव, रमेश वर्मा, अनुराग गुप्ता, सुमित राठौर, मुकेश राठौर, प्रवीण रस्तोगी सहित समिति के आदि सेवादार उपस्थित रहे।

48 घंटे में गांव चमकना चाहिए, वरना वेतन से होगी सफाई : एडीएम वित्त

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर सोमवार सुबह अपर जिलाधिकारी राजस्व अरविन्द कुमार सिंह ग्राम करनपुर पड़री पहुंचे। गांव में गंदगी और सफाई कर्मियों की लापरवाही को लेकर ग्रामीणों ने शिकायतें की थीं। मौके पर पहुंचते ही एडीएम ने हालात देख सफाई कर्मी को तलब कर कड़ी फटकार लगाई। एडीएम ने कहा कि जिस गांव की सफाई के लिए वेतन ले रहे हो, यदि 48 घंटे में गांव साफ नहीं मिला तो पूरी सैलरी की वसूली कर सफाई कराई जाएगी। इसके बाद एडीएम ने पंचायत भवन, प्राथमिक विद्यालय और सामुदायिक शौचालय का गहन निरीक्षण किया। शौचालय में गंदगी देख उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने ग्राम प्रधान को निर्देश दिए कि साफ-सफाई की जिम्मेदारी तय करें और शौचालय का संचालन नियमित हो।''शौचालय सुबह 5 से 10 और शाम 4 से 8 बजे तक खुला रहना चाहिए। किसी भी हाल में गेट पर ताला नहीं दिखना चाहिए। इस दौरान ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, डीसी एसबीएम और अन्य संबंधित अधिकारी मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने एडीएम के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

श्री अन्न को मिले बढ़ावा, किसानों की मिली भागीदारी

- डीएम ने ली आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक, कृषि योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। कृषि क्षेत्र में नवाचार और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में सोमवार को अटल सभागार में आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीडी कृषि गिरीश चंद्र ने आत्मा योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन और श्री अन्न योजना की 2024-25 की उपलब्धियों और 2025-26 के प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी पीपीटी के जरिए प्रस्तुत की।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि आत्मा योजना किसानों को तकनीकी ज्ञान से जोड़ने का सशक्त जरिया है। सरकार की मंशा है कि खेती टिकाऊ बने और किसान की आय बढ़े। उन्होंने श्री अन्न को त्योहारों में शामिल कर पोषण और परंपरा दोनों को बढ़ावा देने की बात कही। साथ ही अधिकारियों को योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन और किसानों के सुझावों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने किसानों से योजनाओं में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि श्री अन्न जैसे पोषक अनाज हमारे स्वास्थ्य और परंपरा दोनों की सुरक्षा हैं। बैठक में मौजूद कृषक प्रतिनिधियों ने योजनाओं को लेकर अपने सवाल एवं सुझाव साझा किए, जिनका मौके पर ही समाधान डीडी कृषि ने किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों के सुझावों को योजनाओं में समुचित रूप से शामिल किया जाएगा। डीडी कृषि ने जानकारी दी कि विभाग में 33 प्राविधिक सहायक, 15 बीटीएम (ब्लॉक टेक्निकल मैनेजर) एवं 30 एटीएम (असिस्टेंट टेक्निकल मैनेजर) समेत कुल 78 कर्मचारी कार्यरत हैं, जो न्याय पंचायत स्तर पर सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारियों की सीमित संख्या के चलते एक-एक कर्मचारी को दो-दो न्याय पंचायतें आवंटित की गई हैं। बैठक में विभिन्न विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, कृषक प्रतिनिधि एवं संबंधित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रेमप्रसंग मे युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक ने प्रेमप्रसंग के चलते एक युवक ने अपने घर में ही फंदे से लटक कर जीवन लीला समाप्त कर ली।मौत से पहले युवक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी व प्रेमिका की कई फोटो व धोका देने का आरोप लगाते हुए पाँच पन्नों का सुसाइड नोट भी मिला है। जलालपुर ग्राम पंचायत के गांव जगन्नाथपुर निवासी प्रिंस गौतम (28)पुत्र सोमवारी लाल ग्राम जगन्नाथपुर ने 6जुलाई को सुबह 5 बजे घर के छप्पर में रस्सी के फंदे से शव लटका मिला।मृतक युवक घटना वाली रात घर पर अकेला था ,मॉं की मौत पहले ही हो चुकी थी पिता सोमवारी लाल बहन के यहां गए हुए थे, मृत युवक प्रिंस की बहन की शादी हो चुकी हैं।रिस्तेदारों ने बताया देर रात प्रिंस से फोन पर बात भी हुई थी। सुबह जब पड़ोसियों द्वारा देखा गया तो पिता को सूचना दी ग्राम प्रधान द्वारा पुलिस को सूचना दी गई, गोला पुलिस ने शव की तलाशी ली जिसमें सुसाइड नोट मिला है,पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए भेजा था।सोमवार दोपहर 12 बजे परिजनों व ग्रामीणों ने गमगीन माहौल में अंतिम सँस्कार किया। सोशल मीडिया के इंस्ट्राग्राम एकाउंट पर मृतक युवक प्रिंस गौतम व एक युवती की कई फोटो वायरल थी साथ ही पांच पन्नों का एक सुसाइड नोट भी था जिसमें युवक द्वारा गोला थाना क्षेत्र के गांव निवासी प्रेमिका प्रियंका पुत्री मालती प्रसाद पर धोका देने के साथ ढाई लाख से तीन लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है इसके अलावा कई आंतरिक राज उजागर करते हुए अपनी मौत का जिम्मेदार प्रेमिका को ठहराया है।

कस्बा कुकरा के कर्बला में नम आंखों व गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक किए गए ताजिए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। मुहर्रम की गयारवीं को ताजियेदारों ने मातम करते हुए ताजिये का जुलूस निकाला और कर्बला में नम आंखों व गमगीन माहौल में 7 जुलाई दिन सोमवार को सभी ताजिए कुकरा के कर्बला में दफ्न किये गये। इससे पहले या हुसैन की सदाओं के बीच अकीदत के साथ चौक पर ताजिये रखे। सारी रात मातम और मजलिसों का सिलसिला जारी रहा।

मालूम हो की पैगंबर इस्लाम हजरत मुहम्मद के नवासे व हजरत अली के लखते-जिगर इमाम हुसैन की यौमे शहादत पर शनिवार की रात अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन की याद में लोगों ने अपने घरों के बाहर बने चबूतरों पर ताज़ये रख कर नज़रों नियाज़ के साथ ही लोगों द्वारा विभिन्न स्थानों पर लंगरों के इंतजाम भी किए गए रात भर चबूतरो पर रखे हुए ताजियों के सामने लोगों द्वारा बैठकर मातम किया गया।जिसके अगले दिन इतवार को कस्बे के ताज़ये राजा साहब की गढी,चमन चौराहा होते हुए बड़े चौराहे पर पहुँचने के बाद सभी लोग अपने ताजियों को कंधों पर उठाकर मातम करते हुए जुलूस के रूप में कस्बा कुकरा,मूडा खजूहा,रोशन नगर,सलेमपुर,सैनपुर,प्रवसत नगर,गजाधरपुर,सहित कस्बा कुकरा के कर्बला पहुचे औऱ इमाम हुसैन तथा कर्बला की सरज़मी पर शहीद हुए उनके 72 साथियों को याद करते हुए गमगीन माहौल में ताज़ये दफन किये गए। तमाम लोगों ने ताजियों सुबह करीब दो बजे ही कर्बला मे सुपुर्द ए खाक कर दिए गए थे।इस दौरान शासन एवं प्रशासन सुरक्षा की दृष्टि से अपने अलर्ट मोड पर दिखाई दीया,जिसमें कुकरा लेखपाल कैलाश चंद एवं कानूनगो प्रेम सिंह एवं थाना मैलानी प्रभारी निराला तिवारी,चौकी प्रभारी कुकरा अवनीश कुमार पवार,संसारपुर चौकी इंचार्ज मोहित पुंडीर,हेड कांस्टेबल अमरीश पटेल,जुल्फिकार अली, कांस्टेबल सौरभ यादव,शैलेंद्र सिंह, गौरव, दीपक सोलंकी, अरुण,महिला कांस्टेबल साधना शर्मा, चारु पाठक, कामिनी सहित आदि मैलानी पुलिस दल बल के साथ चप्पे चप्पे पर मौजूद रहा। समाचार लिखे जाने तक कुछ ताजिए दफन नहीं हो पाए थे।

बिजनौर में केमिकल के सहारे सुखाकर काटे जा रहे वृक्ष

बिजनौर। एक ओर सरकार प्रदेश में पौधरोपण अभियान चला रही है, वहीं बिजनौर के कस्बा मंडावर सरकारी अस्पताल से आगे बाला वाली रोड पर लगभग 30 से 35 आम के पेड़ों की बाउंड्री करके उनको सुखाया जा रहा है। इसमें कुछ पेड़ सरकारी पेड़ भी हैं। क्षेत्र में वनों की सुरक्षा के लिए क्षेत्र वन दरोगा वनरक्षक तैनात रहते हैं। स्थानीय लोगों ने वन विभाग में तैनात अधिकारियों से मामले को संज्ञान में लाकर मामले में कठोर कार्रवाई की मांग की है। उल्लेखनीय है कि बाग मे 30 के लगभग आम के पेड़ों की बाउंड्री करके उनको सुखाया जा रहा है। वहीं सड़क के किनारे खड़े पेड़ों को भी सुखाया जा रहा हैं। पिछले दो-तीन वर्षों से मण्डावर क्षेत्र के अलावा जिले के अन्य क्षेत्रों में वृक्षों को सुखाकर काटने का उद्योग काफी तेजी से बढ़ा है। इसके चलते हजारों फलदार वृक्षों को काटा गया है। ऐसा करने वाले अधिकांश कालोनाइजर हैं जो प्लाटिंग कर बड़ी कमाई करते हैं। इस मामले में एसडीओ वन विभाग ज्ञान सिंह ने बताया कि उक्त मामले में रेंजर को जानकारी कर उचित कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	106-Sig-Tender-08-2025-26		
कार्य का नाम	[illegible]		
अनुमानित लागत	₹ 2,96,50,328.65	निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	₹ 2,98,300.00	कार्य पूरा करने की अवधि	270 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	30.07.2025 15:30 बजे तक		
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय / म.रे.प्र. कार्यालय परिसर / उत्तर रेलवे / लखनऊ		

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है।
- समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू० सं०-106-सिग-टेन्डर-08/2025-26 दिनांक: 07.07.2025

2034/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-Sig-Tender-09-2025-26
कार्य का नाम	[illegible]
अनुमानित लागत	₹ 1,77,88,163.51
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	₹ 2,39,000.00
कार्य पूरा करने की अवधि	300 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	30.07.2025, 15:30 बजे तक।
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	http://www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय / मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर / उत्तर रेलवे / लखनऊ

• ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू. सं.: 106-सिग-टेण्डर-09/2025-26 दिनांक: 07.07.2025 2036/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कांवड़ यात्रा को लेकर डीएम ने की शांति समिति की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कन्नौज। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में गुरू पूर्णिमा (आषाढ़ी पूर्णिमा), सावन माह एवं कांवड यात्रा आदि पर्वों त्योहारो के उपलक्ष्य में जिला शांति समिति की आयोजित बैठक के दौरान कहा कि हरदोई मोड़ से मेंहदीघाट पुल तक जर्जर/ गड्डायुक्त मार्ग को गड्डामुक्त किया जाये। उन्होंने कहा कि मेंहदीघाट मार्ग पर लगे हैण्डपम्प का पानी रोड पर फैलता हैं, जल निकासी आदि की व्यवस्था नगर पालिका कन्नौज एवं जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा आपस में समन्वय स्थापित कर समस्या का निस्तारण करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि गुरू पूर्णिमा के दृष्टिगत मेहदीघाट पर प्रकाश, पेयजल, शौचालय आदि की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होनें कहा कि शौचालय पर स्त्री व पुरूष का संकेतक स्टीकर लगा होना चाहिए। वस्त्र बदलने के लिये चेंजिंग रूम की अच्छी व्यवस्था की जाए। कहा कि बैरिकेडिंग एवं पार्किंग स्थल का कार्य यथाशीघ्र करा लिया जाये। घाटों की साफ-सफाई व्यवस्था अनिवार्य रूप से कर ली जाये। पार्किंग स्थल पर लाइंट की व्यवस्था होनी चाहिए। मेडिकल टीम व खोया-पाया केन्द्र एवं कन्ट्रोल रूम एक्टिव मोड में हों। अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिये एनडीआरएफ/गोताखोरों की टीम सतर्क मोड में रहनी चाहिए। मेहदीघाट पुल पर लाईटों की व्यवस्था सुनिश्चित करा ली जाये तथा लाईटें नियमित संचालित होनी चाहिए। श्री अग्निहोत्री ने कहा कि जनपद में बड़ी मात्रा में कांवड आती हैं, कांवड यात्रा को लेकर सभी मंदिर एवं सांस्कृतिक स्थलों की साफ-सफाई व्यवस्था अच्छे से करा दी जाये। उन्होनें फूड सेफ्टी को लेकर निर्देश दिये कि मेले क्षेत्र में सभी दुकानों पर रेट लिस्ट, एवं लाईसेंस की प्रतिलिपि लगी होनी चाहिए। मिलावटी खाद्य पदार्थो को अभियान चलाकर जांच की जाये। मेले में भारतीय सांस्कृतिक सभ्यता का प्रचार होना चाहिए।बैठक में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आशीष कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार आदि संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज मण्डल ने 1215 दिव्यांगजनों को जारी किया दिव्यांग रेल यात्रा रियायत पहचान पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज मण्डल ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 1215 दिव्यांग रेल यात्रा रियायत पास जारी किए गए हैं। इनमें से 240 कार्ड अप्रैल में, 614 कार्ड मई में एवं 361 कार्ड जून में जारी किए गए हैं। भारतीय रेलवे में यात्रा के दौरान असुविधा होने पर सभी यात्री रेलवे सहायता नंबर 139 पर फोन करके रेलवे से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि भारतीय रेलवे दृष्टिहीन, आर्थो, मूक-बधिर, मानसिक विक्षिप्त दिव्यांगजनों को रियायत दरों पर रेल गाड़ियों में यात्रा के लिए 'दिव्यांग रेल यात्रा रियायत पास' की सुविधा प्रदान करता है। प्रयागराज मण्डल कार्यालय के वाणिज्य विभाग से निःशुल्क 'दिव्यांग रेल यात्रा रियायत पहचान पत्र' जारी किए जाते हैं। रेलवे द्वारा दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए कोटा प्रणाली के अंतर्गत गाड़ियों के स्लीपर क्लास एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 4-4 सीटें आरक्षित की गई हैं। पीआरओ ने बताया कि 'दिव्यांग रेल यात्रा रियायत पहचान पत्र' बनवाने के लिए दिव्यांगजन पोर्टल '' https://divyangjanid.indianrail.gov.inâ पर ऑनलाइन आवेदन करना पड़ता है। ऑनलाइन आवेदन के समय स्वप्रमाणित दस्तावेजः मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी किया ऑनलाइन दिव्यांग प्रमाण पत्र, गृह जनपद के जिला अस्पताल से जारी नवीनतम रेल रियायत प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज़ फोटो, जन्मतिथि प्रमाण, निवास प्रमाणपत्र एवं पत्र पहचान पत्र पोर्टल पर अपलोड करना पड़ता है।

एजबेस्टन में जीतना मेरी सबसे सुखद यादों में से एक होगी: शुभमन गिल

एजेंसी

बर्मिंघम। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने यहां श्रृंखला बराबर करने वाली शानदार जीत का जश्न मनाते हुए कहा कि जब भी वह क्रिकेट से संन्यास लेंगे तो एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ भारत को पहली टेस्ट जीत दिलाना उनकी सबसे सुखद यादों में से एक रहेगा। 25 वर्षीय गिल की कप्तानी की शुरुआत भारत के लीड्स में श्रृंखला के शुरूआती मैच में हार के साथ हुई थी, लेकिन भारतीय टीम ने शानदार वापसी करके दूसरे मैच में 336 रन के विशाल अंतर से जीत दर्ज की। भारत की टेस्ट क्रिकेट में इस मैदान पर यह पहली जीत है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में गिल ने कहा, ''यह ऐसी चीज है जिसे मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा। मुझे लगता है कि जब भी मैं संन्यास लूंगा तो यह मेरी सबसे सुखद यादों में से एक होगी। उन्होंने कहा, ''मुझे इस मैच का अंतिम कैच लेना था

और मैं बहुत संतुष्ट और खुश हूं कि हम इस मैच को जीतने में सफल रहे। भारतीय कप्तान ने कहा, ''अभी तीन और महत्वपूर्ण मैच होने बाकी हैं। इस मैच के बाद तेजी से बदलाव होगा और मुझे लगता है कि यह अच्छा है क्योंकि अब लय हमारे साथ है। गिल ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई। उन्होंने कहा, ''जिस तरह से सभी ने गेंद और बल्ले से योगदान दिया, वह बहुत सकारात्मक बात है। इससे ही कोई टीम चैंपियन बनती है और यह हमारे लिए अच्छे संकेत हैं। भारतीय कप्तान ने ड्रेसिंग रूम में अपने संबोधन में अपने साथी खिलाड़ियों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''हमने यह मुकाम हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है। मैं जानता हूं कि टेस्ट मैच जीतना कितना मुश्किल काम है विशेष कर इस मैदान पर जहां हमने इससे पहले कोई टेस्ट नहीं जीता था। गिल ने कहा, ''मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि मुझे आप सभी पर गर्व है, क्योंकि मुझे लगता है कि पहले दिन हमने कहा था कि टेस्ट मैच जीतने के लिए हम सभी को अपना योगदान देना होगा और सभी ने इसमें योगदान दिया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने

कुलदीप को एकादश में रखने की चाह लेकिन सपाट पिचों पर मजबूत बल्लेबाजी जरूरी: गिल

बर्मिंघम। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि कुलदीप यादव जैसे विकेट लेने वाले स्पिनर को अंतिम एकादश में रखना हमेशा आकर्षक होता है लेकिन लीड्स में निचले क्रम के दो बार सस्ते में आउठ होने के बाद बल्लेबाजी में गहराई लाने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में वाशिंगटन सुंदर को तरजीह दी गई। वाशिंगटन को अंतिम एकादश में शामिल करने का विवादास्पद निर्णय कारगर साबित हुआ, क्योंकि इस हरफनमौला ने बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया। भारत लॉर्ड्स टेस्ट में भी इसी रणनीति के साथ उतरेगा। पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में जीत के साथ वापसी करने के बाद गिल ने कहा, '' जब आपके पास कुलदीप जैसा गेंदबाज हो तो यह बहुत लुभावना होता है। मैं वाशिंगटन को इसलिए खिलाना चाहता था क्योंकि उनकी मौजूगदी से हमारी बल्लेबाजी मजबूत होती है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि मेरे और वाशिंगटन के बीच साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण साबित हुई। यह साझेदारी नहीं होती तो शायद हमारी बढ़त 70-80-90 रन होती, जो मनोवैज्ञानिक रूप से 180 रन की बढ़त से बहुत अलग है।'' गिल ने कहा कि इंग्लैंड में इस्तेमाल होने वाली 'ड्यूक' गेंद जब थोड़ी पुरानी और नरम हो जाती है तो स्पिनरों के पास मैच को नियंत्रित करने का अधिक मौका होता है। भारतीय कप्तान ने कहा, ''जैसा कि हमने उम्मीद की थी पांचवें दिन भी गेंद को पिच से ज्यादा टर्न नहीं मिल रही था, ऐसा तभी हो रहा था जब गेंद 'रफ' पर टप्पा खा रही थी।'' इंग्लैंड के एक पत्रकार ने गिल से कहा कि यह एजबेस्टन में भारत की पहली जीत है। उन्होंने 336 रनों की जीत के बाद उनकी भावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उनका ध्यान श्रृंखला जीतने पर है। उन्होंने कहा, '' मैंने टेस्ट मैच से पहले भी कहा था कि मैं वास्तव में आंकड़ों या इतिहास में विश्वास नहीं करता। पिछले 50-60 वर्षों में हमने अलग-अलग हालात और विभिन्न टीमों के साथ यहां पर सिर्फ सात मैच खेले हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि यह सर्वश्रेष्ठ भारतीय टीम है, जो इंग्लैंड में आकर उन्हें हराने और यहां से श्रृंखला जीतने की क्षमता रखती है। हमारे पास सही लय है। अगर हम संघर्ष करते रहे, तो मुझे लगता है कि यह यादगार श्रृंखला में से एक होगी।

कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो यह एक महत्वपूर्ण सीरीज का महत्वपूर्ण मैच था। एक खिलाड़ी के तौर पर इस तरह के यादगार पल और इतिहास रचकर बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने अपने साथी तेज गेंदबाज आकाशदीप की प्रशंसा करते हुए कहा, ''जब भी वह गेंदबाजी करता तो मैं मिड-ऑफ पर खड़ा रहता। मैं उससे कह रहा था कि सिर्फ विकेट लेने के पीछे मत भागो, एक ही क्षेत्र में गेंदबाजी करते रहो और तुम्हें विकेट मिल जाएंगे। सिराज ने कहा कि वह इसे अपने करियर की तीसरी सबसे बड़ी टेस्ट जीत मानेंगे। उन्होंने कहा, ''यह मेरे जीवन का तीसरा सर्वश्रेष्ठ मैच है। पहले गाबा, फिर लॉर्ड्स और अब यह। मैं इस भावना को शब्दों में बयां नहीं कर सकता। आकाश दीप ने कहा, ''सबसे बड़ी बात यह है कि मैंने पांच विकेट लिए और हमारी टीम जीत गई। यह मेरे लिए गर्व का क्षण है कि मैंने टीम की जीत में योगदान दिया। अगर मैंने पहली बार पांच विकेट लिए होते और मैच ड्रॉ हो जाता तो मुझे इतनी खुशी नहीं होती। भारतीय उपकप्तान ऋषभ पंत ने विदेशों में टीम के खराब रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा, ''पिछली बार जब हम यहां आए थे, तो यह काम अधूरा रह गया था और इस बार मुझे खुशी है कि हम इसे पूरा करने में सफल रहे। उन्होंने कहा, ''एक बात जिसके बारे में हम हमेशा बात करते हैं, वह यह है कि हम एक टीम के रूप में कैसे सीख सकते हैं और अतीत की सभी गलतियों से सीख लेकर कैसे आगे बढ़ सकते हैं। हम इस टीम को नए मुकाम पर पहुंचाना चाहते हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान धोनी 44 बरस के हुए

एजेंसी

मुंबई। भारत के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी सोमवार को 44 बरस के हो गए। धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के एकमात्र कप्तान हैं जिन्होंने एकदिवसीय विश्व कप, टी20 विश्व कप और चैंपियन्स ट्रॉफी तीनों खिताब जीते हैं। धोनी की कप्तानी में भारतीय टेस्ट टीम 18 महीने तक दुनिया की नंबर एक टीम भी रही। पिछले महीने धोनी को 2025 के आईसीसी हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल किया गया। धोनी ने लगभग पांच साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था लेकिन लगातार घुटने की चोट से परेशान रहने के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेल रहे हैं। इस साल के आईपीएल में धोनी ने अधिकांश समय सुपरकिंग्स के नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की जगह जिम्मेदारी संभाली क्योंकि वह कोहनी की चोट के कारण बाहर हो गए थे। उनकी अगुआई में टीम ने सत्र के अंत में कुछ प्रभावशाली जीत दर्ज की। पिछले कुछ वर्षों में धोनी की आक्रामक बल्लेबाजी की धार भी कुछ कुंद हुई है। धोनी ने कुछ मैच में आठवें क्रम में भी बल्लेबाजी की लेकिन क्षमता में गिरावट के बावजूद इस सुपरस्टार के प्रशंसकों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है और आईपीएल के दो महीने के दौरान वह जहां भी खेले वहां स्टेडियम खचाखच भरा रहा। सुपरकिंग्स ने अपने पांचों आईपीएल खिताब धोनी के नेतृत्व में जीते और फ्रेंचाइजी 2026 सत्र में एक बार फिर अपने 'थाला' की वापसी की उम्मीद कर रही है। धोनी ने हालांकि ऐसा कोई वादा नहीं किया है। धोनी ने कहा था, ''यह निर्भर करता है। मैं फिर से यही कहूंगा कि मेरे पास निर्णय लेने के लिए चार-पांच महीने का समय है, मुझे यह तय करने की कोई जल्दी नहीं है कि क्या करना है।''

आईसीसी ने संजोग गुप्ता को नया सीईओ नियुक्त किया

एजेंसी

दुबई, सात जुलाई (भाषा) भारतीय मीडिया दिग्गज संजोग गुप्ता को सोमवार को जय शाह की अगुआई वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया। वह आस्ट्रेलिया के ज्योफ एलार्डिस की जगह लेंगे जिन्होंने इस साल की शुरूआत में चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले निजी कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अभी तक जियोस्टार में सीईओ (खेल) के रूप में कार्यरत रहे गुप्ता तत्काल प्रभाव से अपनी नई भूमिका का कार्यभार संभालेंगे। वह आईसीसी के सातवें सीईओ होंगे। क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने कहा कि इस पद के लिए उसे 25 देशों से 2,500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 12 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया। आईसीसी ने कहा, ''उम्मीदवारों में खेल के शासी निकायों से जुड़े पदाधिकारियों के अलावा कॉरपोरेट जगत से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। इन नामों को नामांकन समिति को भेज दिया गया जिसमें आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा, इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन, श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया शामिल हैं। उन्होंने इस पद के लिए गुप्ता की सिफारिश की जिसे आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने मंजूरी दे दी। आईसीसी ने कहा, ''संजोग गुप्ता भारत और विश्व स्तर पर खेल प्रसारण के परिवर्तन के पीछे एक प्रेरक शक्ति रहे हैं। आईसीसी में अपने बयान में प्रो कबड्डी लीग और इंडियन सुपर लीग (फुटबॉल) जैसी अन्य लीगों की स्थापना और विस्तार तथा प्रीमियर लीग और विंबलडन जैसी वैश्विक प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने में गुप्ता की भूमिका का भी जिक्र किया। शाह ने कहा कि खेल रणनीति और व्यावसायीकरण में गुप्ता का अनुभव आईसीसी के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा, ''संजोग के पास खेल रणनीति और व्यावसायीकरण का व्यापक अनुभव है, जो आईसीसी के लिए अमूल्य साबित होगा। गुप्ता एलार्डिस का स्थान लेंगे जिन्होंने चार वर्ष के कार्यकाल के बाद इस वर्ष जनवरी में पद छोड़ दिया था। गुप्ता ने पत्रकार के रूप में अपना करियर शुरू किया और वह 2010 में स्टार इंडिया (अब जियोस्टार) से जुड़ गए थे। उन्हें 2020 में डिज्नी और स्टार इंडिया में खेल प्रमुख नियुक्त किया गया था। नवंबर 2024 में वायाकॉम18 और डिज्नी स्टार के विलय के बाद गुप्ता को जियोस्टार स्पोर्ट्स का सीईओ नियुक्त किया गया था। आईसीसी के सीईओ का पद इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के डेविड रिचर्ड्स, मैल्कम स्पीड और एलार्डिस, दक्षिण अफ्रीका के डेविड रिचर्डसन और हारून लोर्गट तथा भारत में जन्मे मनु साहनी संभाल चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्टोक्स ने आकाशदीप की प्रशंसा की, कहा भारत ने इंग्लैंड को हर विभाग में हराया

बर्मिंघम। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने स्वीकार किया कि भारत ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में खेल के हर विभाग में उनकी टीम से बेहतर प्रदर्शन किया तथा तेज गेंदबाज आकाशदीप के 'अविश्वसनीय' कौशल ने मैच में निर्णायक अंतर पैदा किया। श्रृंखला में अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे आकाशदीप ने 10 विकेट लेकर भारत की 336 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत की इस मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में यह पहली जीत है। पांच मैच की श्रृंखला अब 1-1 से बराबर है और तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। स्टोक्स ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''मुझे लगता है कि आकाश ने कल रात और आज सुबह पिच पर पड़ी दरार का अच्छा इस्तेमाल किया। लगातार कोण बदलने और उसका उपयोग करने की उसकी क्षमता अद्भुत है और फिर भी वह इतना सटीक है। वह उस दरार पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। आज सुबह हैरी ब्रूक जिस गेंद पर आउट हुआ उस पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता था। उन्होंने कहा, ''जब जेमी स्मिथ ने शुरुआत में कुछ रन बनाए, तब मैं दूसरे छोर पर खड़ा था। गेंद एक फुट की दूरी पर थी। आकाश ने जिस तरह से क्रीज पर कोण बदलते हुए भी उस क्षेत्र में गेंद की उससे उसके अविश्वसनीय कौशल का पता चलता है। स्टोक्स की अगुआई वाली टीम ड्रॉ में विश्वास नहीं करती लेकिन कप्तान ने कहा कि लक्ष्य पहुंच से बाहर था। उन्होंने कहा, ''300 या इससे अधिक रन से हारना वास्तव में बहुत बड़ा अंतर है। जब हम बल्लेबाजी करने उतरे तो हमें पता था कि हमारे सामने क्या चुनौती है। लेकिन कल रात तीन विकेट और आज सुबह दो क्रिकेट जल्दी खोने से सब कुछ बदल गया।

लॉर्ड्स में बुमराह का सामना करने के लिए अच्छी तैयारी की जरूरत: मैकुलम

बर्मिंघम। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि दूसरे टेस्ट मैच में उनकी टीम पांचो दिन भारत से पीछे रही और लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह की चुनौती का सामना करने के लिए उन्हें अच्छी तरह से तैयार होने की जरूरत है। बुमराह कार्यभार प्रबंधन के तहत दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे जिसमें भारत ने 336 रन से जीत हासिल करके पांच मैच की श्रृंखला बराबर की। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इसके बाद पुष्टि की कि तेज गेंदबाज बुमराह अगले मैच में वापसी करेंगे। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार मैकुलम ने कहा, ''पूरी संभावना है कि बुमराह अगले मैच में वापसी करेंगे इसलिए हमें अच्छी तरह से तैयार रहने की जरूरत है। मुझे लगता है कि वहां की पिच यहां की तुलना में भिन्न होगी जो हमारे लिए अच्छी बात है। उन्होंने कहा, ''दूसरे टेस्ट में हम पांचो दिन भारत से पीछे रहे। भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। शुभमन गिल बेहतरीन बल्लेबाज हैं और उन्होंने इस पिच पर शानदार प्रदर्शन किया। हम इस पर वैसा नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे और वे पूरी तरह से जीत के हकदार थे। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने स्वीकार किया कि इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिए भेजने का गलत फैसला किया और कुल मिलाकर पिच का आकलन भी गलत किया। मैकुलम ने कहा, ''मुझे लगता है कि जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, हमने उस टॉस पर विचार किया और कहा कि क्या हमने अवसर गंवा दिया। हमें उम्मीद नहीं थी कि विकेट इतना अच्छा खेलेगा और इसलिए शायद हम थोड़ा गलत फैसला कर गए।

बोरोसिल रिन्यूएबल्स की जर्मनी स्थित इकाई ने दिवालियेपन के लिए किया आवेदन

नयी दिल्ली। बोरोसिल रिन्यूएबल्स की जर्मनी स्थित अनुषंगी कंपनी जीएमबी ग्लासमैनुफैक्टुर ब्रांडेनबर्ग जीएमबीएच ने कॉटबस स्थित न्यायिक अदालत में जर्मन दिवाला संहिता (इन्सो) के तहत दिवालियेपन के लिए आवेदन किया है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। बोरोसिल रिन्यूएबल्स लिमिटेड बीएसई और एनएसई पर दोनों में सूचीबद्ध है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह निर्णय यूरोपीय सौर विनिर्माण परिवेश में बाजार की खराब होती स्थितियों के बाद लिया गया। साथ ही यह तेजी से बढ़ते भारतीय सौर क्षेत्र पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करने की कंपनी की मंशा को दर्शाता है। बोरोसिल रिन्यूएबल्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि जर्मनी स्थित उसकी अनुषंगी कंपनी जीएमबी ग्लासमैनुफैक्टुर ब्रांडेनबर्ग जीएमबीएच ने कॉटबस स्थित न्यायिक अदालत के समक्ष जर्मन दिवाला संहिता (इन्सो) के तहत दिवालियेपन के लिए आवेदन किया है। बोरोसिल रिन्यूएबल्स लिमिटेड के चेयरमैन पी. खेरुका ने बयान में कहा, '' यह निर्णय हमारे इस स्पष्ट दृष्टिकोण को दर्शाता है कि भविष्य कहां है और भारत की सौर विनिर्माण कहानी में हमारा विश्वास क्या है। इस कदम के साथ हम भारत में विस्तार की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हैं, जहां अपार संभावनाएं हैं और सक्षम नीतियां हैं। यह दीर्घकालिक दृष्टिकोण से लिया गया एक दूरदर्शी निर्णय है।

देश के शीर्ष 8 शहरों में कार्यालय पट्टा मांग 2025 नौ करोड़ वर्ग फुट के आंकड़े को पार कर जाएगी: सीएंडडब्ल्यू

नयी दिल्ली। देश के शीर्ष आठ शहरों में कार्यालय स्थलों की सकल पट्टा मांग के 2025 में नौ करोड़ वर्ग फुट को पार कर जाने की उम्मीद है। रियल एस्टेट सलाहकार कुशमैन एंड वेकफील्ड (सीएंडडब्ल्यू) के अनुसार, कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान बुरी तरह प्रभावित होने के बाद भारतीय कार्यालय बाजार अब भी वृद्धि के दौर में है। कुशमैन एंड वेकफील्ड की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-जून में आठ प्रमुख शहरों में कार्यालय स्थल की सकल पट्टा मांग 4.17 करोड़ वर्ग फुट रही जबकि एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में यह 4.1 करोड़ वर्ग फुट थी। इसमें कहा गया, जनवरी-जून में तीन शहरों पुणे, चेन्नई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कार्यालय स्थल की पट्टा मांग में वृद्धि हुई।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज से दूसरा टेस्ट और श्रृंखला जीती

एजेंसी

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन ही 133 रन से हराकर श्रृंखला अपने नाम की और इस तरह से फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखी। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन वेस्टइंडीज को 34.3 ओवर में 143 रन पर आउट कर तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ (71) और कैमरन ग्रीन (52) के अर्धशतकों की मदद से अपनी दूसरी पारी में 243 रन बनाकर वेस्टइंडीज के सामने 277 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा। वेस्टइंडीज की तरफ से शमर जोसेफ ने 66 रन देकर चार विकेट लिए। वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका स्कोर जल्द ही चार विकेट पर 33 रन हो गया। उसकी टीम इससे उबर नहीं पाई और मैच दोपहर के सत्र में ही समाप्त हो गया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने आठ ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जोश हेजलवुड ने दो विकेट लिए और ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने 5.3 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। मैच में छह विकेट लेने वाले लियोन ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर काबिज ग्लेन मैकग्रा की बराबरी करने से अब केवल एक विकेट दूर हैं। लियोन ने 2011 से अब तक 139 टेस्ट मैचों में 562 विकेट लिए हैं। मैकग्रा ने 1993-2007 तक 124 टेस्ट मैचों में 563 विकेट लिए थे। महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न 1992-2007 तक 145 टेस्ट मैचों में 708 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई सूची में शीर्ष पर हैं।

जीएमआर एयरो टेक्निक ने अकासा एयर के साथ किया तीन साल का रखरखाव समझौता

हैदराबाद। भारत की अग्रणी विमान ढांचा रखरखाव, मरम्मत एवं निरीक्षण (एमआरओ) संगठन जीएमआर एयरो टेक्निक ने अकासा एयर के साथ तीन साल का समझौता किया है। इसके तहत वह उसके बोइंग 737 मैक्स बेड़े का रखरखाव करेगा। जीएमआर ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि समझौते के तहत जीएमआर एयरो टेक्निक यहां जीएमआर एयरोस्पेस एंड इंडस्ट्रियल पार्क के भीतर स्थित अपने अत्याधुनिक एमआरओ सुविधा में अकासा एयर के बेड़े का रखरखाव करेगा। जीएमआर एयरो टेक्निक के अध्यक्ष अशोक गोपीनाथ ने कहा, '' हम अकासा एयर के साथ उनकी 'सी चेक' रखरखाव आवश्यकताओं के लिए यह साझेदारी करके खुश हैं। यह सहयोग दूरदर्शी विमानन कंपनियों के हमारी तकनीकी दक्षता, परिचालन अखंडता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण पर विश्वास का प्रमाण है।

भारत का लक्ष्य 2047 तक मक्का उत्पादन दोगुना कर 8.6 करोड़ टन करना है: कृषि मंत्री

नयी दिल्ली। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि भारत 2047 तक अपने मक्का उत्पादन को मौजूदा 4.23 करोड़ टन से दोगुना करके 8.6 करोड़ टन तक पहुंचा सकता है। उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित 11वें मक्का सम्मेलन में चौहान ने कहा कि दुनिया के पांचवें सबसे बड़े मक्का उत्पादक को आनुवंशिक रूप से संशोधित बीजों का उपयोग किए बिना उत्पादकता बढ़ाने की जरूरत है। चौहान ने कहा, '' हम आनुवंशिक रूप से संशोधित बीजों का इस्तेमाल नहीं करते हैं, लेकिन फिर भी हम उत्पादकता के स्तर को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की औसत मक्का उत्पादकता 3.7 टन प्रति हेक्टेयर है, पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे कुछ राज्य राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कुल मिलाकर पैदावार बढ़ाने की जरूरत है। मंत्री ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने मक्का की 265 किस्में विकसित की हैं। इनमें 77 हाइब्रिड और 35 जैव-फोर्टिफाइड किस्में हैं, लेकिन अभी और काम करने की जरूरत है। चौहान ने कहा, '' मक्के में स्टार्च का स्तर बढ़ाने की जरूरत है। हमें इसे मौजूदा 65-70 प्रतिशत से बढ़ाकर 72 प्रतिशत करने की जरूरत है ताकि मक्के का बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सके। भारत का मक्का उत्पादन 1900 के दशक के एक करोड़ टन से बढ़कर वर्तमान में 4.23 करोड़ टन हो गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा जैसे राज्य जो धान की खेती पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने 261 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता की शुरू

नयी दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने 261 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता की सफल शुरुआत की सोमवार को घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि इसके साथ ही अप्रैल-जून तिमाही में संचयी क्षमता में 1.9 गीगावाट की वृद्धि की गई। बयान के अनुसार, जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने 261 मेगावाट अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षमता की सफल शुरुआत की घोषणा की। इसमें 189 मेगावाट सौर क्षमता और 72 मेगावाट पवन क्षमता शामिल है जिससे स्थापित क्षमता 12,760 मेगावाट हो गई है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2029-30 तक 30 गीगावाट उत्पादन क्षमता और 40 गीगावाट ऊर्जा भंडारण क्षमता तक पहुंचना है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने 2050 तक कार्बन तटस्थता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी रखा है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 500 रुपये से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 100 रुपये की सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। भाव में गिरावट आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,250 रुपये से लेकर 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,100 रुपये से लेकर 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

संगीत दिवस पर किया गया डॉ. अंजना सिंह सेंगर के गजल संग्रह 'यादों की रियासत' का लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ जिले के बहुचरा ग्राम कि बहू साहित्यकार डॉ. अंजना सिंह सेंगर के गजल संग्रह 'यादों की रियासत'' का लोकार्पण मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति धरमवीर गोकुल जीसीएस द्वारा संगीत दिवस पर मॉरीशस के विश्व हिंदी सचिवालय में किया गया। इस अवसर पर भारत के उप उच्चायुक्त विमर्श आर्यन, विश्व हिन्दी सचिवालय की महासचिव डॉ. माधुरी रामधारी और उप महासचिव डॉ. शुभंकर मिश्र, आर्य नेता उदय नारायण गंगू, अमेरिका, तंजानिया, यूएई, भारत साहित कई देशों के साहित्यकार व लेखकों के साथ-साथ मॉरीशस सरकार के कई मंत्री व अधिकारीगण मौजूद रहे।

गजल संग्रह ''यादों की रियासत'' का लोकार्पण करते हुए साहित्य में रुचि रखने वाले मॉरीशस के राष्ट्रपति धरमवीर गोकुल ने डॉ. अंजना से कहा कि आपकी गजलें उत्कृष्ट हैं, इसे अभी और आगे लेकर जाना है। उन्होंने 'यादों की रियासत' को पढ़ कर प्रशंसा करते हुए कहा कि गजल मन को सुकून प्रदान करती हैं। सचिवालय की महासचिव डॉ. माधुरी रामधारी से गजल लेखन की कार्यशाला आयोजित करने का सुझाव भी दिया। डॉ.अंजना सिंह देश और विदेश जैसे मॉरीशस, दुबई, फ्रांस, मलेशिया, इंडोनेशिया, म्यांमार आदि में साहित्यिक कार्यक्रमों में जाकर वक्तव्य और साहित्यिक प्रस्तुति भी दे चुकी हैं। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि विदेशों में लोग हिंदी साहित्य के प्रति बहुत समर्पित हैं। जितना वहाँ भारत और हिंदी के प्रति लगाव है वह बेहद अद्भुत है।

अंजना ने बताया कि छंदबद्ध रचना में उनकी विशेष रुचि है। छन्दबद्ध रचना सीखने में अधिक समय और ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होती है क्योंकि साहित्य साधना में समय लगता है। जिसके कारण साहित्यकार सरल विधा में लेखन को महत्व देने लगे हैं इससे साहित्य का खजाना छंदबद्ध रचनाएँ लुप्त हो रही हैं। वह चाहती हैं कि वर्तमान पीढ़ी इन छन्दबद्ध रचनाओं की महत्ता को समझे। उनका कहना है लोग हर प्रकार की भाषा सीखें मगर अपनी हिंदी भाषा को हृदय में संचित कर रखें। साहित्य लेखन के लिए केंद्र सरकार की सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाली डॉ. अंजना सिंह सेंगर ने बताया कि अब तक उनकी सात पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनके नाम हैं ऽ मन के पंख, जुगनू की जंग, जनमानस के महाराज जो उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर लिखी गयी है, सीतामाता पर खंड काव्य ह्लविदग्ध वनदेवी, यादों की रियासत, अगर तुम मुझसे कह देते आदि। साथ ही उन्होंने कई शोध पत्र लिखे और संपादित भी किए हैं। उनको देश-विदेश में अब तक साहित्य लेखन में 60 से अधिक सम्मान-पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले उनके गजल संग्रह ''अगर तुम मुझसे कह देते'' को उत्तर प्रदेश सरकार का फिराक गोरखपुरी सम्मान भी प्राप्त हो चुका है।

देवाधिदेव महादेव को अत्यंत प्रिय श्रावण मास की शुरुआत 11 जुलाई से

राष्ट्रीय प्रस्तावना
सुशील कुमार मिश्र / वाराणसी

काशी नगरी बाबा विश्वनाथ की त्रिशूल पर बसी है। श्रावण मास में काशी नगरी में गंगा स्नान एवं बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक व अभिषेक श्रावण मास में महत्वपूर्ण होता है। श्रावण मास 11 जुलाई दिन शुक्रवार से शुरू हो रहा है एवं पहला श्रावण सोमवार 14 जुलाई को पड़ रहा है।

देवाधिदेव महादेव को अत्यंत प्रिय श्रावण मास की शुरुआत 11 जुलाई से हो रहा है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में है मंदिर प्रशासन के अनुसार सावन में केवल झांकी दर्शन होंगे विशेष मांग (प्रोटोकॉल) के दर्शन पर पूर्णत प्रतिबंध रहेगा। मंदिर में प्रवेश के लिए गेट नंबर 4 नंदू फरिया प्रवेश मार्ग, सिल्को प्रवेश मार्ग, ढूंढी राज प्रवेश मार्ग, सरस्वती पाठक प्रवेश मार्ग होगा। मंदिर प्रशासन ने कहा कि पूरे सावन प्रोटोकॉल दर्शन पर पूर्णता रोक रहेगी लिहाजा दर्शनार्थी किसी भी प्रलोभन या बहकावे में ना आए। विशिष्ट जनों से अनुरोध किया है कि कोई प्रोटोकॉल अनुरोध ना भेजें। पिछले साल के अनुभव के आधार पर मंदिर न्यास ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि दर्शन अवधि लंबी होने से खाली पेट कतर में ना लगे अन्यथा स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। कहां है कि यदि कोई व्यक्ति विशेष दर्शन के नाम पर धन मांगता है अथवा अपने दुकान से प्रसाद लेने पर दर्शन में मदद का दावा करता है तो वह आपको ठगने का प्रयास कर रहा है। इसकी तत्काल सूचना पुलिस को दें या मंदिर प्रशासन को दें। व्यवस्था प्रबंधन के लिए पूरे धाम में केंद्रीयकृत पब्लिक एड्रेस सिस्टम तथा आवश्यक स्थान पर स्थानीय प्रबंधन एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था रहेगी।

बाबा का विशेष श्रृंगार

सावन में पड़ रहे चार सोमवार को बाबा का अलग-अलग श्रृंगार होगा। पहले सोमवार यानी 14 जुलाई को चल प्रतिमा श्रृंगार। द्वितीय सोमवार 21 को गौरी।

प्रयागराज: मुठभेड़ में गोली से घायल समेत तीन बदमाश गिरफ्तार

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र में सोमवार भोर में मोटरसाइकिल सवार तीन बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया और पुलिस टीम ने घायल बदमाश के दो साथियों को दोड़ाकर गिरफ्तार किया। पुलिस ने घायल बदमाश को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया । अपर पुलिस उपायुक्त नगर अभिजीत कुमार ने बताया कि फायरिंग के दौरान गोली से घायल बदमाश करेली के चकिया निवासी मुन्ना उर्फ हसनैन पुत्र लतीफ को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भेजा गया है। पकड़े गए आरोपितों में सैफ उर्फ सैयद एवं फहद है। एडीसीपी ने बताया कि संदिग्ध अपराधियों की तलाश में करेली थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग करते समय मोटरसाइकिल सवार तीन संदिग्ध दिखाई दिए तो पुलिस टीम ने रुकने के लिए इशारा किया तो बदमाश भागने लगे।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

यूपी में पंचायत चुनाव अकेले दम पर लड़ेंगी आरपीआई: पवन कुमार गुप्ता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले (आरपीआई) उप्र में आगामी जिला पंचायत चुनाव में सभी जिलों में चुनाव अकेले दम पर लड़ेंगी। यह बात सोमवार को मीडिया से वार्ता करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में प्रयाग संगीत समिति आडिटोरियम में नौ जुलाई को संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले हैं। श्री गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन को ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बनाने के लिए हर स्तर पर तैयारी की जा रही है। यह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का संदेश है। यह आरपीआई की विचारधारा, संगठनात्मक शक्ति और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की प्रतिबद्धता का प्रमाण होगा। इस मौके पर आरपीआई के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजय अग्रवाल एवं आरपीआई की जिला कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद थे।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर स्थिर, लेकिन खतरा अभी टला नहीं– पहाड़ों में बारिश के चलते फिर हो सकता है बढ़ाव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। बीते कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे गंगा के जलस्तर में फिलहाल स्थिरता देखी जा रही है, लेकिन उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हो रही बारिश के कारण एक बार फिर जलस्तर बढ़ने की आशंका बनी हुई है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार सोमवार सुबह 8 बजे वाराणसी में गंगा का जलस्तर 62.98 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर से अभी काफी नीचे है। हालांकि, गाजीपुर में गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है जबकि बलिया में यह स्थिर बना हुआ है। फाफामऊ में जलस्तर लगभग एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की दर से बढ़ रहा है। मिर्ज़ापुर में सुबह तक जलस्तर 68.35 मीटर और प्रयागराज में 75.41 मीटर पर स्थिर रहा। वाराणसी में गंगा का जलस्तर निचली सीढ़ियों को डुबोते हुए ऊपरी हिस्सों की ओर बढ़ रहा है। हरिश्चंद्र घाट पर पानी श्मशान तक पहुंच चुका है, जिससे लोगों को सीढ़ियों पर ही शवदाह करना पड़ रहा है। वहीं, मणिकर्णिका घाट पर भी शवयात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जलस्तर बढ़ने से दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती का स्थान भी पीछे खिसका दिया गया है। मानमंदिर घाट और त्रिपुरा भैरवी घाट का संपर्क मार्ग पूरी तरह डूब चुका है। श्रद्धालु अब पानी में उतर कर घाटों तक आ जा रहे हैं। शिवाला घाट और गुलरिया घाट के बीच की अंतिम सीढ़ी भी जलमग्न हो चुकी है, जिससे दोनों घाटों का संपर्क टूट गया है। इसी तरह भदैनी, निषादराज, मानमहल, और ललिता घाट सहित कई अन्य घाटों का संपर्क भी टूट चुका है। घाटों की सीढ़ियों पर बने मंदिर और शिवलिंग अब गंगा की लहरों में समा चुके हैं। हालांकि अभी गंगा का जलस्तर स्थिर है, फिर भी तटीय इलाकों के लोगों में आशंका बनी हुई है। लोग जलस्तर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन सतर्क है – जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मुस्तैद हैं। छोटी नावों के संचालन पर फिलहाल रोक है और श्रद्धालुओं को गहरे पानी में न जाने की सख्त हिदायत दी जा रही है। नाविकों ने अपनी छोटी नावों को सुरक्षित स्थानों पर बांध दिया है। गंगा किनारे रहने वाले माझी समुदाय के लोगों का कहना है कि फिलहाल बाढ़ की स्थिति नहीं है, लेकिन पहाड़ों खास कर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हो रही बारिश के चलते फिर गंगा के जलस्तर में वृद्धि होनी तय है। रविवार रात 8 बजे गंगा का जलस्तर 62.90 मीटर रिकॉर्ड किया गया था, और उस समय यह एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा था।

सनातनी संस्कृति और परंपरा की द्योतक है गुरु पूर्णिमा

- श्रीकृष्ण जैसे गुरु का मार्गदर्शन ही अर्जुन को भटकाव से निकालकर कर्तव्य पथ पर ले गया
- भौतिकवाद से मुक्ति का माध्यम है गुरु
- अधकचरा ज्ञान नहीं समग्रता परिचायक है गुरु

राजेन्द्र सिंह

गुरु पूर्णिमा, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। यह पर्व आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है और इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, जिन्हें प्रथम गुरु के रूप में पूजा जाता है। गुरु पूर्णिमा न केवल एक धार्मिक उत्सव है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर है जो हमें हमारे जीवन में गुरु की महत्ता, उनके आचरण, विचारों और जीवन जीने की कला को समझने और अपनाने के लिए प्रेरित करता है। आज के आधुनिक युग में, जब समाज में भौतिकवाद, मानसिक प्रदूषण और यूट्यूब जैसे माध्यमों से फैल रहे अधूरे या भ्रामक ज्ञान के कारण युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है, गुरु का महत्व और भी बढ़ जाता है।

भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। गुरु वह दीपक है जो अज्ञान के अंधेरे को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। गुरु शब्द का अर्थ है- ह्लगुङ्क अर्थात अंधकार और ह्लरुङ्क अर्थात उसका नाश करने वाला। इस प्रकार, गुरु वह है जो हमें अज्ञानता, भ्रम और भटकाव से निकालकर सत्य, ज्ञान और आत्मजागरूकता की ओर ले जाता है। गुरु केवल एक शिक्षक नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक, प्रेरक और जीवन का पथ प्रदर्शक होता है। वे हमें न केवल बौद्धिक ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि नैतिकता, संयम, धैर्य और आत्म-अनुशासन जैसे गुणों को भी हमारे जीवन में समाहित करते हैं।ऋग्वेद में कहा गया है, ह्लआ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतःङ्क अर्थात हमें सभी दिशाओं से शुभ और कल्याणकारी विचार प्राप्त हों। गुरु ही वह माध्यम है जो हमें इन शुभ विचारों तक ले जाता है। गुरु की महत्ता इस बात में निहित है कि वे हमें सही और गलत का भेद समझाते हैं, हमें जीवन के उद्देश्य को पहचानने में मदद करते हैं और हमें भवसागर से पार करने का मार्ग दिखाते हैं। गुरु का आचरण और विचार उनके शिष्यों के लिए एक आदर्श होते हैं। एक सच्चा गुरु स्वयं अपने जीवन में उन मूल्यों को जीता है, जो वह अपने शिष्यों को सिखाता है। उनका जीवन सादगी, सत्य, और संयम का प्रतीक होता है। गुरु का आचरण हमें यह सिखाता है कि जीवन में सुख और शांति की प्राप्ति भौतिक सुख-सुविधाओं में नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति और नैतिकता में है।गुरु के विचार हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। वे हमें यह समझाते हैं कि जीवन में संतुलन, धैर्य और समर्पण कितने महत्वपूर्ण हैं। गुरु हमें यह सिखाते हैं कि हर परिस्थिति में सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए और चुनौतियों को अवसर के रूप में देखना चाहिए। उदाहरण के लिए, भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्ध के मैदान में न केवल युद्ध की कला सिखाई, बल्कि जीवन के गहन दार्शनिक सत्य भी समझाए। श्रीकृष्ण जैसे गुरु का मार्गदर्शन ही अर्जुन को भटकाव से निकालकर कर्तव्य पथ पर ले गया। गुरु हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। यह कला केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के हर पहलू- जैसे समय प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन, नैतिक निर्णय और सामाजिक जिम्मेदारी- को शामिल करती है। गुरु हमें नियम और संयम का महत्व समझाते हैं। संयम वह आधार है जो हमें अनुशासित और केंद्रित रखता है। नियमित जीवनशैली, स्वस्थ आदतें और नैतिक मूल्य हमें मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाते हैं।गुरु हमें यह सिखाते हैं कि जीवन में सुख और दुख, सफलता और असफलता क्षणिक हैं। इनका सामना करने के लिए हमें आत्मनियंत्रण और धैर्य की आवश्यकता होती है। गुरु के मार्गदर्शन में हम यह सीखते हैं कि क्रोध, लोभ, और अहंकार जैसे नकारात्मक गुणों को नियंत्रित कर हम अपने जीवन को और अधिक सार्थक बना सकते हैं। आज का युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। यूट्यूब और सोशल मीडिया जैसे माध्यमों ने ज्ञान के प्रसार को आसान तो बनाया है, लेकिन इसके साथ ही भ्रामक और अधूरे ज्ञान का प्रसार भी बढ़ा है। आज की युवा पीढ़ी यूट्यूब पर उपलब्ध त्वरित और सतही सामग्री की ओर आकर्षित हो रही है। यह सामग्री अक्सर सनसनीखेज, भ्रामक और मूल्यहीन होती है, जो युवाओं को भटकाव, मानसिक तनाव और दिशाहीनता की ओर ले जाती है। समाज में बढ़ता भौतिकवाद, नैतिक पतन और मानसिक प्रदूषण इस बात का प्रमाण है कि हम सही मार्गदर्शन से दूर हो रहे हैं।यूट्यूब और अन्य डिजिटल माध्यमों पर उपलब्ध सामग्री में गहराई और प्रामाणिकता का अभाव होता है। यह सामग्री तात्कालिक सुख और मनोरंजन पर केंद्रित होती है, जो युवाओं को आत्म-जागरूकता और नैतिकता से दूर ले जाती है। ऐसे में गुरु की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। गुरु वह दिशा-सूचक है जो हमें सही और गलत का भेद समझाता है और हमें भवसागर से निकालकर सही मार्ग पर ले जाता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि गुरु के बिना जीवन की यात्रा अधूरी है। गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर है जो हमें आत्म-चिंतन और आत्म-मूल्यांकन के लिए प्रेरित करता है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम अपने गुरु के दिखाए मार्ग पर कितना चल पाए हैं और अपने जीवन को कितना सार्थक बना पाए हैं।गुरु पूर्णिमा का महत्व इस बात में भी है कि यह हमें गुरु-शिष्य परंपरा की याद दिलाता है। भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है। इस परंपरा में गुरु अपने शिष्य को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन के मूल्यों, संस्कारों और नैतिकता का भी पाठ पढ़ाता है। गुरु पूर्णिमा हमें यह सिखाती है कि हमें अपने गुरु के प्रति न केवल श्रद्धा रखनी चाहिए, बल्कि उनके द्वारा दिए गए ज्ञान और मार्गदर्शन को अपने जीवन में उतारना चाहिए। आज के समाज में, जहां मानसिक प्रदूषण, भौतिकवाद और भटकाव अपने चरम पर है, गुरु का मार्गदर्शन एकमात्र रास्ता है जो हमें इस भवसागर से निकाल सकता है। गुरु हमें यह सिखाते हैं कि सच्चा सुख आत्मिक शांति और आत्म-जागरूकता में है, न कि भौतिक सुख-सुविधाओं में। वे हमें यह समझाते हैं कि जीवन का असली उद्देश्य आत्म-विकास और समाज के कल्याण में योगदान देना है।गुरु का मार्गदर्शन हमें यह सिखाता है कि हमें अपने विचारों और कर्मों को शुद्ध रखना चाहिए। वे हमें यह समझाते हैं कि जीवन में संतुलन और संयम ही हमें सच्ची सफलता और शांति की ओर ले जा सकता है। गुरु के मार्गदर्शन में हम यह सीखते हैं कि हमें अपने अहंकार, क्रोध और लोभ को त्यागकर एक सात्विक और सार्थक जीवन जीना चाहिए। गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें यह याद दिलाता है कि गुरु हमारे जीवन का वह प्रकाश है जो हमें अंधेरे से निकालकर ज्ञान और सत्य की ओर ले जाता है। आज के युग में, जब समाज मानसिक प्रदूषण और भटकाव का शिकार हो रहा है, गुरु की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। गुरु का आचरण, उनके विचार और जीवन जीने की कला हमें एक सार्थक और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देती है। गुरु पूर्णिमा हमें यह सिखाती है कि हमें अपने गुरु के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता रखनी चाहिए और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। इस पर्व के माध्यम से हम न केवल अपने गुरु को सम्मान देते हैं, बल्कि उनके द्वारा दिए गए ज्ञान को अपने जीवन में उतारने का संकल्प भी लेते हैं। इस प्रकार, गुरु पूर्णिमा हमें आत्म-जागरूकता, नैतिकता और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है, जो हमें इस भवसागर से पार करने में सहायता करती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं और कई समाचार पत्रों के संपादक रहे हैं।)